Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 84 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 13 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दया धर्म के बिना, वीतराग विज्ञान भी अधूरा है।

Science of non-attachments is also incomplete without compassion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

मुख्यमंत्री ने 8 घंटे चली मैराथन कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में की शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

कलेक्टर मिशन मोड में कार्य करें : विष्णुदेव साय

योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, राज्य स्तरीय समस्याएं ही मुख्यमंत्री जनदर्शन में आए

- राजस्व के मामलों का त्वरित निराकरण के निर्देश, पीएम जनमन योजना का क्रियान्वयन को दें सर्वोच्च प्राथमिकता
- सीएम ने कहा- भूमिहीन परिवारों को जाति प्रमाण पत्र बनाने में न हो दिक्कत

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि कलेक्टर्स आम जनता के हितों को केन्द्र में रखकर संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो। शासन की फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। इन योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड पर जुट कर काम करें। प्रशासन के कार्यों से जनता के मन में शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास का भाव उत्पन्न हो।

मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर में लगातार 8 घंटों तक चली कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में ये दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। लंच ब्रेक को छोड़कर मुख्यमंत्री लगातार बैठक में उपस्थित रहे। कॉन्फ्रेंस में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, श्री बसवराजु एस., श्री राहुल भगत तथा सभी संबंधित विभागों के सचिव सहित सभी संभागों के आयुक्त, सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ और नगर निगमों के आयुक्त भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे कार्यों की सराहना होगी और कार्य में लापरवाही बरतने पर कड़ा रूख भी अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टरों के परफार्मेंस की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाएगी और जिलों की रैंकिंग तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो भी जिम्मेदारी आपको सौंपी गई है उसकी मॉनिटरिंग की जाती है। फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन और जिला प्रशासन के कार्यों पर हमारी नजर रहती है। जिले में होनी वाली घटनाओं पर जिला प्रशासन कितनी तत्परता से काम करता है, यह भी देखा जाता है। कलेक्टरों की पहली जिम्मेदारी दंडाधिकारी के रूप में कानून व्यवस्था बनाए रखने की है। विभिन्न संगठनों के साथ संवाद के दौरान यदि असंतोष की कोई बात सामने आती है, तो उसका समाधान स्थानीय स्तर पर किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर में गुरूवार को जनदर्शन आयोजित किया जाता है। इसमें अनेक ऐसी छोटी-छोटी समस्याएं आती हैं जिनका समाधान तहसील और जिला स्तर पर किया जा सकता है। कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि रायपुर में होने वाले जनदर्शन में ऐसी समस्याएं ही आएं जिनका समाधान जिला स्तर पर नहीं हो सकता है। जिलों में आम जनता की समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर जनदर्शन का कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाए। नागरिकों तक शासन की योजनाओं की सुगम पहुंच से शासन की छवि बनती है।

चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर को दहलाने की साजिश नाकाम

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में केरन सेक्टर के जंगल में सुरक्षाबलों ने हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया है। आतंकियों ने हथियार और गोला-बारूद को गहराई में छिपाया था। बताया जा रहा है कि स्पेशल इलेक्शन ऑब्जर्वर और इंटेलिजेंस एजेंसी द्वारा इसकी जानकारी दिए जाने के बाद भारतीय सेना ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। माना जा रहा है कि इन हथियारों को आतंकियों के आकाओं ने छिपाया था ताकि जम्मू-कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों को पाकिस्तान के इशारे पर बाधित किया जा सके। भारतीय सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर जारी पोस्ट में कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। इसने बताया कि इलाके की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें एके 47 के कारतूस, हथगोले, IED बनाने में इस्तेमाल सामग्री और अन्य सामान शामिल है।

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय पैरा-एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक से लौटे भारतीय दल से अपने आवास पर मुलाकात की। इस बार भारतीय एथलीटों ने टोक्यो के रिकॉर्ड प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ी और पैरालंपिक में देश के लिए अब तक के सर्वोच्च पदक जीतकर इतिहास रचा।

भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक के साथ कुल 29 पदकों के साथ पदक तालिका में 18वां स्थान हासिल किया। इस दल ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक (कुल मेडल 19) में भारत द्वारा बनाए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 शूटिंग स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना खिताब बरकरार रखते हुए पीएम मोदी को अपनी जर्सी भेंट की। इस पर लिखा था, आपके समर्थन के लिएज धन्यवाद सर। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कपिल परमार के कांस्य पदक पर साइन किए, जो उन्होंने पैरा जूडो पुरुषों की 61 किग्रा जे1 श्रेणी में जीता था।

हरियाणा चुनाव : कांग्रेस से गठबंधन खत्म, आप ने सभी 90 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को अपने उम्मीदवारों की 7वीं लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने लिस्ट में 3 नामों की घोषणा की। साथ ही आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने अपनी आखिरी लिस्ट में आदर्श पाल को टिकट दिया है। जो आज ही कांग्रेस का छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं। इसके अलावा आप ने नारनौंद से रणवीर सिंह लोहान को चुनावी मैदान में उतारा है, वहीं नूंह से राबिया किदवई को अपना उम्मीदवार बनाया है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेसीडेंट से लेकर प्राध्यापकों के वेतन में हुई ऐतिहासिक वृद्धि

प्राध्यापक को अब अनुसूचित क्षेत्र में 2 लाख 25 हजार तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में मिलेगा 1 लाख 90 हजार रूपए वेतन

अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में 23 फीसदी की वेतन वृद्धि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में राज्य के प्रत्येक वर्ग के लिए खुशियों का पिटारा शामिल है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल राज्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतरी के कार्य को लेकर लगातार प्रतिबद्ध हैं। इसी को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ा निर्णय लिया है। इस निर्णय के अंतर्गत शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी), सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापक के वेतन में ऐतिहासिक वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 1 सितंबर 2024 से पूरे राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों के लिए प्रभावी होगा।

छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग के द्वारा जारी आदेश के अनुसार गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 35 हजार से 1 लाख 55 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 90 हजार रूपए से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से 1 लाख 85 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख 25 हजार तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 95 हजार रूपए कर दिया गया है।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के संविदा चिकित्सकों के लिए जारी पुनरीक्षित संविदा वेतनमान के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 फीसदी तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 23 फीसदी की वेतन वृद्धि की गयी है। इस ऐतिहासिक वेतन वृद्धि को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी डाक्टरों का ये अधिकार है कि उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाला शिक्षक और शिक्षा मिले और वेतन वृद्धि का ये आदेश राज्य शासन की स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने की मंशा को स्पष्ट जाहिर करता है।

सेंट्रल जेल में बंद सूर्यकांत तिवारी से मिलने भूपेश बघेल को नहीं मिली अनुमति

पूर्व सीएम ने एसीबी चीफ पर लगाए गंभीर

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में इनदिनों राजनैतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। विगत गुरूवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल सेंट्रल जेल पहुंचे। यहाँ वह रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कारोबारी सूर्यकांत तिवारी से मुलाकात के लिए पहुंचे थे, लेकिन मीडिया से चर्चा करते उन्होंने बताया की उन्हें मुलाकात नहीं करने दी गई। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में कोल लेवी मामले में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने ACB चीफ अमरेश मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने कहना है कि, एसीबी चीफ ने जेल अधीक्षक के चैंबर में बुलाकर धमकाया और दबाव बनाया कि, सौम्या चौरसिया के जरिए पूर्व सीएम भूपेश बघेल को पैसा देने की बात कबूल करूं। उसके इस आरोप के बाद भूपेश बघेल सेंट्रल जेल पहुंचे। जानकारी के मुताबिक कारोबारी सूर्यकांत तिवारी से उनके वकील फैजल रिजवी ने मुलाकात की। रिजवी ने आरोप लगाया कि जेल में सूर्यकांत तिवारी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेल अब प्रताड़ना का केंद्र बन गया है।

मुलाकात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, मैं विधायक देवेंद्र यादव और सूर्यकांत तिवारी से मिलने जेल आया था। लेकिन मुझे सूर्यकांत तिवारी से नहीं मिलने दिया गया। रायपुर आईजी ने जेल में सूर्यकांत को धमकाने की कोशिश की है। मेरा नाम नहीं लेने पर उसे तबाह करने की धमकी दी गई है। इसलिए मैं सूर्यकांत तिवारी से मिलने जेल पहुंचा था। इस मामले को लेकर मैं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखूंगा। सीएम को भी पत्र लिखकर घटनाक्रम की जानकारी दूंगा।

ज्ञात हो की आरोपी सूर्यकांत तिवारी ने वकील के माध्यम से रायपुर सक्षम न्यायालय की विशेष न्यायधीश को लिखित शिकायत दी है कि, लेटर में लिखा है कि, जब वकील मुलाकात के लिए जेल गए थे तो आवेदक ने बताया कि, 8 सितंबर, रविवार को जेल अधीक्षक कार्यालय में बुलाया गया था। जब सूर्यकांत तिवारी पहुंचे तो वहां एसीबी चीफ अकेले बैठे हुए थे। एसीबी चीफ ने उसे देखते हुए बोला कि, 14 दिन की रिमांड में तुम मूर्ख बनाते रहे हो। तुम ये जान लो, कि सौम्या चौरसिया खत्म हो गई। भूपेश बघेल अब कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बनने वाला है। भले ही अगली बार कांग्रेस सरकार आ जाए. लेकिन तुम्हें कोई बचाने वाला नहीं है। बेहतर यह है कि, तुम यह कह दो कि सौम्या चौरसिया के माध्यम से भूपेश बघेल को पैसा दिया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर कानून-व्यवस्था और बलौदाबाजार के मुद्दे पर सौंपा ज्ञापन

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश में बढ़ते अपराध और बलौदाबाजार मामले की घटनाओं को लेकर विगत गुरूवार को राज्यपाल से मुलाकात की। जहां पीसीसी चीफ दीपक बैज की अगुवाई में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल राजभवन पहुंचा और राज्यपाल रमन डेका को ज्ञापन सौंपा। मिली जानकारी के अनुसार इसी के साथ ही महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बदले की भावना से उन पर मुकद्दमा दर्ज कर परेशान करने की शिकायत की। इसी तरह अन्य मामलों को लेकर शिकायत की।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि आज राज्यपाल से मुलाकात हुई है। प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर उनसे विस?तार से चर्चा की गई। इसके बाद उन्हें प्रदेश की कानून व्यवस्था और अन्य मामलों को लेकर ज्ञापन भी दिया गया है। कांग्रेस का दावा है कि, 9 माह में प्रदेश में 600 से अधिक हत्याओं की घटना हो गयी है। 3094 से अधिक महिला अनाचार की घटनाएं हुई है। राजधानी रायपुर में चार गोलीकांड हो गया, लूट, चाकूबाजी, चैन स्नेचिंग तो रायपुर की पहचान बन गया है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं होता जब भयावह हत्या की एक दो घटनाये न होती हो, अपराधी इतने बेलगाम हो गये है कि, सरेआम सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर चाकू मार रहे हैं और पुलिस मूक दर्शक बनी रहती है। रोज हो रहे सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं से प्रदेश शर्मशार हो गया है और नागरिको को भय के माहौल जीवन जीना पड़ रहा है। दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार के राज में महिलाओं के प्रति अपराधों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो गयी है। मासूम बच्चियों के साथ घृणित दुराचार की घटनाये बढ़ गयी। रोज समाचारों में प्रदेश भर में तीन से चार मासूम अबोध बच्चियों के साथ तथा सामूहिक दुराचार की घटनाओं की खबरे सामने आ रही।

चक्रधर समारोह में 12 वर्षीय सौम्या देंगी अपनी कत्थक प्रस्तुति

रायपुर (विश्व परिवार)। चक्रधर समारोह महाराजा चक्रधर सिंह के सांगीतिक व्यक्तित्व का स्पंदित रूपांकन हैं। गायन वादन और नृत्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ कलाकारों सहित नयी पीढ़ी के प्रतिभाशाली कला साधक इस भव्य समारोह में अपनी प्रस्तुति एवं कला का प्रदर्शन करते हैं। इस समारोह के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर वर्ष रायगढ़ जिले में विभिन्न कलाकारों को मंच प्रदान किया जाता है।

इसी कड़ी में कक्षा 8वी की युवा कत्थक नृत्यांगना सौम्या नामदेव अपने गुरु प्रीती रूद्र वैष्णव जी के मार्गदर्शन में कला का प्रदर्शन करेंगी। जहा इस समारोह में देश के सभी प्रांतों से विख्यात कलाकार इस मंच में अपनी प्रस्तुतिया दे रहे हैं वही सौम्या को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 39वे चक्रधर समारोह 2024 में 11 सितम्बर को नृत्य प्रदर्शन करने का अवसर दिया गया हैं।सौम्या जिंदल स्टील एंड पॉवर के पर्यावरण प्रबंधन विभाग में कार्यरत अतीत नामदेव की पुत्री हैं और जिंदल स्कूल रायगढ़ की छात्रा भी हैं। सौम्या ने अपनी इस कला को माँ वैष्णवी संगीत महाविद्यालय रायगढ़ से अटूट अभ्यास कर निखारा है। चक्रधर समारोह इस वर्ष दिनांक 7 सितंबर से 16 सितंबर तक रायगढ़ में आयोजित हो रहा है। पद्मश्री रामलाल , पद्मश्री हेमा मालिनी , पद्मश्री रंजना गौहर, पद्मश्री देवयानी, पद्मश्री भारती बंधु, पद्मश्री अनुज शर्मा, पद्म श्री डॉक्टर सुरेंद्र दूबे, कुमार विश्वास , मीनाक्षी शेषाद्रि , बांसुरी वादक राकेश चौरासिया ,जितु शंकर इत्यादि जैसे लगभग 24 कलाकार इस वर्ष चक्रधर समारोह में अपनी प्रस्तुति देंगे।

शोक संदेश

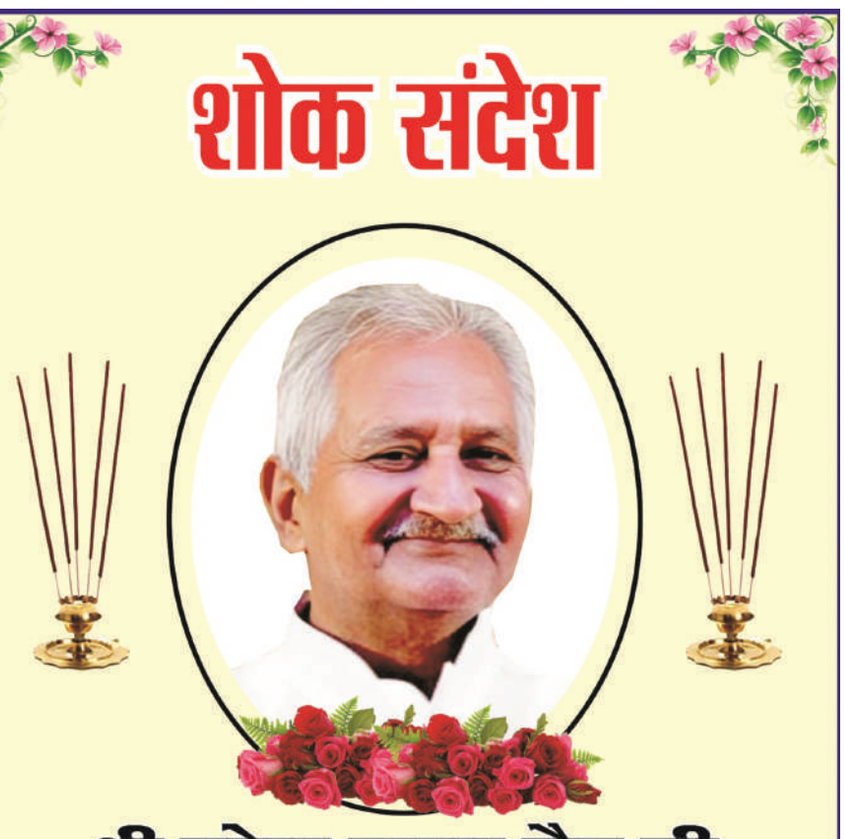

श्री महेन्द्र कुमार जैन जी

हमारे असाता कर्म के उदय से मेरे बड़े भैया श्री महेंद्र कुमार जी जैन (चूड़ी वालो) उम्र 78 वर्ष का देवलोक गमन जबलपुर में दिनांक 12 सितंबर 2024 दोपहर 2.30 बजे हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा आज 13 सितंबर 2024 शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे निवास गणेशराम नगर से जायेगी।

स्थान - मारवाड़ी शमशान घाट

शोकाकुल परिवार

श्री सनत कुमार (भाई), अनिल कुमार (भाई), मनोज जैन(पुत्र)मनीष जैन (पुत्र), रोमिल जैन(भतीजा) एवं समस्त चूड़ी वाला परिवार, गणेश रामनगर, रायपुर

प्रतिष्ठान :- नरेंद्र बैंगल स्टोर, बंजारी रोड, रायपुर
मो. नं. - 98930-00030, 98271-55300

राज्यपाल डेका का स्काउट गाइड मुख्य संरक्षक अलंकरण बैज लगाकर किया गया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका को छत्तीसगढ़ स्काउट गाइड के मुख्य संरक्षक अलंकरण बैज लगा कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका को आज राजभवन में संस्था के पदाधिकारियों ने भारत स्काउट गाइड के राष्ट्रीय मुख्यालय से प्राप्त बैज पहनाया और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

राजभवन में आयोजित छत्तीसगढ़ के स्काउट-गाइड के एक संक्षिप्त कार्यक्रम में संस्था को पदाधिकारियों से मिलकर राज्यपाल श्री डेका ने प्रसंन्नता व्यक्त की और कहा कि स्काउट-गाइड की समाज में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को स्काउट गाइड में शामिल होने के लिए प्रेरित करें जिससे उनमे अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलेगा और वे देश के अच्छे नागरिक बनेंगे।

संस्था के संरक्षक रायपुर लोकसभा के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि मुख्य संरक्षक राज्यपाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में स्काउट-गाइड योजना शुरू करने की योजना हैं।

स्काउट गाइड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया। स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त डा. सोमनाथ यादव ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्री मुरली शर्मा, श्री कैलाश सोनी, श्रीमती शिवानी गनवीर, डॉ. करूणा मसीह, श्रीमती सरिता पांडेय उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना से परिवार हुआ लाभान्वित, मिले 2 लाख रुपए

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ पदमिनी कुर्रे के बच्चों को स्टेट बैंक की अम्बेडकर शाखा से मिला। शाखा प्रबंधक सोनम कुमारी ने बच्चों के अभिभावक अरविंद कुर्रे को 2 लाख का चेक प्रदान किया। सोनम कुमारी ने बताया कि श्रीमती पद्मिनी कुर्रे पति राजू कुर्रे निवासी बिटकुली ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत 2 लाख का बीमा करवाया था। कोरोना काल मे उनकी मृत्यु हो गई। इनका बीमा क्लेम बनने के पहले ही इनके पति राजू कुर्रे की भी मृत्यु हो गई। घर में 3 अल्पवयस्क बच्चे ही रह गए थे। बच्चों को बीमा की राशि नही मिल सकती थी क्योंकि उन्हें नॉमिनी नही बनाया था। परिवार की देखरेख का दायित्व पद्मिनी कुर्रे के देवर एल्विनकुर्रे ने उठाया। कोर्ट से लंबी मशक्कत के बाद एल्विन को उत्तराधिकार मिला जिसे बैंक ने स्वीकृत करते हुए बीमा राशि 2 लाख रु में 50,50 हजार रु के 3 फिक्स डिपाजिट बच्चों के बालिग होते तक के अवधि के लिए कराए। शेष 50 हजार रु अभिवावक एल्विन को बच्चों के पालन पोषण के लिए दिए।

शाखा प्रबंधक सोनम कुमारी ने बताया कि 436 रु वार्षिक इस योजना में जमा करना होता है। हर सक्षम परिवार के स्त्री पुरुष को अपना बीमा करा लेना चाहिए। परिवार पर कभी भी आपदा आ सकती है। पद्मिनी कुर्रे का परिवार इसका उदाहरण है। इसी तरह 20 रु वार्षिक क़िस्त पर सुरक्षा बीमा योजना है जिसमे दुर्घटना से मृत्यु होने पर हो क्लेम मिलता है। इस प्रकरण में बैंक ने कुर्रे परिवार की पूरी मदत की है। यह योजना एस बी आई लाइफ से लिंक होने के कारण सामान्य स्थिति में भुगतान तत्काल प्राप्त हो जाता है।

मैट्स विश्वविद्यालय ने छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए वेब स्क्रैपिंग पर कार्यशाला का आयोजन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्थित मैट्स विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल ने BCA और MCA कार्यक्रमों के अंतिम वर्ष के छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से वेब स्क्रैपिंग पर एक व्यापक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को आज के Data-driven जॉब मार्केट में अत्यधिक मांग वाली वेब स्क्रैपिंग तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें पायथन का उपयोग शामिल था।

इस कार्यशाला में डेटा निष्कर्षण, पार्सिंग और स्वचालन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया गया, जो प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करता है। प्रतिभागियों को विशेष रूप से वेब स्क्रैपिंग के लिए डिज़ाइन किए गए पायथन लाइब्रेरी और टूल्स जैसे कि BeautifulSoup, Scrapy, और Selenium से परिचित कराया गया। इस गहन प्रशिक्षण ने छात्रों को वेबसाइटों से डेटा को कुशलतापूर्वक एकत्रित और संसाधित करने में सक्षम बनाया, जो विभिन्न उद्योगों में अत्यधिक महत्वपूर्ण कौशल है। यह सत्र इस क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ श्री हर्ष राज द्वारा संचालित किया गया, और इसे श्री शेखर साहू द्वारा समन्वित किया गया। कार्यशाला का आयोजन आईटी विभाग के प्रमुख और प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश चंद्राकर के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम का समापन उच्च उत्साह के साथ हुआ, जिसमें महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया ने कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनका अभिनंदन किया। कुलपति प्रो. डॉ. के. पी. यादव और रजिस्ट्रार श्री गोकुलानंद पांडा ने छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें अपने नए अर्जित कौशल को अपने भविष्य के करियर में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एसआरयू में शोध पद्धति उपकरण एवं तकनीक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित शोध पद्धति उपकरण एवं तकनीक विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज पहला दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश के लगभग सभी राज्यों से 120 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक प्रो. आरआरएल बिराली ने शोध एवं कार्यशाला से संबंधित विषयों का परिचय देते हुए इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में विभिन्न संकायों एवं विषयों के सहयोग से किस प्रकार शोध किया जा सकता है, ताकि नए शोध एवं निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके और इसे अधिक सर्वव्यापी बनाया जा सके।

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रो. राजीव चौधरी ने प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में शोध के विभिन्न प्रतिमानों एवं शोधकर्ता के गुणों पर चर्चा की तथा बताया कि शोध की भूमिका एवं उसका सैद्धांतिक पक्ष क्या होना चाहिए और कैसा होना चाहिए। एक शोधकर्ता के रूप में किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। शोध को सही दिशा में सिद्ध करके उसकी उपयोगिता को बढ़ाया जा सकता है। विभिन्न विषयों के साथ शोध को और अधिक महत्वपूर्ण कैसे बनाया जा सकता है। यदि शोध प्रश्न मजबूत है, तो शोध के परिणाम भी प्रभावी साबित होंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि शोधकर्ताओं को शोध के मूल्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

दुसरे सत्र के वक्ता डॉ. जी.के. देशमुख (पंडित रविशंकर शुक्ल विवि)ने साहित्य समीक्षा के विभिन्न आयामों को समझाया तथा शोध में साहित्य समीक्षा के महत्व और उपयोगिता पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बताया कि नई तकनीक का उपयोग करके शोध को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है। एआई तकनीक के माध्यम से शोध को सरल तरीके से और अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। मेंडली जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके शोध पत्रों और शोध को आसानी से उद्धृत किया जा सकता है। जिससे शोधकर्ता का काफी समय बचता है और शोध की उपयोगिता बढ़ जाती है। और वे कौन से तरीके हैं जिनके माध्यम से डेटा को सही तरीके से प्रोसेस किया जा सकता है ताकि परिणामों की प्रामाणिकता और बढ़ जाए। सत्र के अंत में दो दिवसीय कार्यशाला के सह-पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. नरेश गौतम ने आभार व्यक्त करते हुए शोध के विभिन्न पहलुओं को समझाया तथा बताया कि किस प्रकार आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता के दौर में वैकल्पिक शोध सिद्धांतों को अपनाकर नए शोध प्रतिमानों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

हर व्यक्ति को स्वयं में परिवर्तन लाने की जरूरत : डॉ. प्रसाद

पंच परिवर्तन विषय पर प्रबोधन एवं परिचर्चा का आयोजन

रायपुर प्रेस क्लब और पर्यावरण ऊर्जा फाउंडेशन का संयुक्त आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रेस क्लब और पर्यावरण ऊर्जा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पंच परिवर्तन विषय पर प्रबोधन एवं परिचर्चा का आयोजन प्रेस क्लब सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर के धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रणजीत प्रसाद रहे। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकों और पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ. रणजीत प्रसाद ने कहा कि आज हर व्यक्ति को अपने स्वयं में परिवर्तन लाने का कार्य करना होगा। इसी के साथ परिवार और फिर समाज एवं देश में परिवर्तन संभव हो सकेगा। समता एवं समभाव के आधार पर? ही पर्यावरण एवं प्रकृति के साथ भी समभाव स्थापित किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती, भारत मां एवं पृथ्वी मां के समक्ष दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन ललित कुमार सिंघानिया, संपादक पर्यावरण ऊर्जा टाइम्स ने किया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर एवं आई सी ए आई रायपुर के चेयरमैन सीए धवल शाह ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी, रायपुर में निर्मित द्वारा भवन योजना के अंतर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **एल.आई.जी-11/759** में **श्रीमती जसविन्दर कौर पति श्री राजेन्दर सिंग** को भाडाक्रय स्ववित्तीय आधार पर आबटित / नामांतरित किया गया है, उनके द्वारा दिनाक 13.03.1999 को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया एवं इस कार्यालय के पत्र के 7249 दिनांक 29.06.2010 विक्रय अनुमति जारी किया गया।
नवीन क्रेता **श्रीमती प्रकाश कौर पति स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** की नामांतरण पूर्व ही दिनाक 09.06.2020 को व उनके पति की मृत्यु दिनाक 20.06.2018 हो जाने कारण उनके पुत्र **श्री दर्शन सिंग पिता स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामातरण करने हेतु आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र/सहमति पत्र **1. श्रीमती दर्शन कौर 2. सुश्री प्रभजीत कौर 3 सुश्री हरसिमरन कौर** एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन **श्री दर्शन सिंग पिता स्व. श्री गुरुबक्श सिंग** के नाम पर नामातरण किया जाना है।
किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय सस्था इत्यादि को उक्त भवन के नामातरण के सबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस कार्यालय में लिखित्त रूप से प्रमाणित दस्तावज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14050/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14050
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225A0246B** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUDHIR KUMAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **D. P. KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PANKAJ GANGWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **REWACHAND GANGWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14360/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14360
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J00267** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHIT BAI W/O LATE GANESH BANJARE. PAPPU BANJARE, SURESH BANJARE S/O LATE GANESH BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री कन्हैया लाल गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री नंद कुमार गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14362/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14362
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0267B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHIT BAI W/O LATE GANESH BANJARE. PAPPU BANJARE, SURESH BANJARE S/O LATE GANESH BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती निलम गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - कन्हैया लाल गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14463/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14463
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00287** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S SHREE RAM VIHAR PARTNER - PAVAN KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMKUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANIL PRAJAPATI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BRIJESH PRAJAPATI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजनांतर्गत **मुनगी फेस-।**, जिला-रायपुर में स्थित **भवन क्रमांक-51, श्री लालचंद वाधवानी पिता स्व.श्री परचाराम वाधवानी**, के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक-203 दिनांक 19.11.2019 के माध्यम से नामांतरित किया गया है। वर्तमान में नामांतरी **श्री लालचंद वाधवानी पिता स्व. श्री परचाराम वाधवानी, निवासी मकान नं.-51 अटल आवास कालोनी फेस-01 ग्राम मुनगी, पोस्ट चंदखुरी, थाना मंदिर हसौद, जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्री जितेन्द्र कुमार यादव पिता स्व. श्री छेदऊ राम यादव, निवासी मकान नं.-98 अटल आवास कालोनी फेस-01 ग्राम मुनगी, पोस्ट चंदखुरी, थाना मंदिर हसौद, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।
अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि परियोजना संभाग, छ. स्टे. पा. डि. कं. लिमिटेड, दुर्ग के अंतर्गत जिला बालोद में 132/33 के. व्ही. उपकेन्द्र - दल्ली रजहहरा से नवीन 33 के. व्हीं उपकेन्द्र- हितकसा तक 2.80 कि.मी. 33 के. व्ही लाईन का विस्तार कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे दिनांक 14.09.2024 को या उसके पश्चात कभी भी उर्जीकृत किया जा सकता है। अतः लाईनों में लगे खंभे, स्टे एवं तार आदि पर चढ़ने अथवा छूने का प्रयास न करें। इससे घातक दुर्घटना हो सकती है जिसके छ. स्टे. पॉ. कं. लिमिटेड उत्तरदायी नहीं होगा।

विवरण इस प्रकार हैं :-

क्रमांक	33 के. व्हीं फीडर का नाम	प्रभावित ग्रामों का नाम
1.	132 / 33 के. व्हीं उपकेन्द्र - दिल्ली राजहरा से नवीन 33 के. व्हीं उपकेन्द्र हितकसा तक	कोण्डेकसा एवं हितकसा

विद्युत की बचत किजिए

पी. के. शर्मा
91336675
कार्यपालन अभियंता (परियोजना)
संभाग, छ. स्टे. पॉ. डि. कं. लिमि, दुर्ग

SAMVAD- 41414/ 3

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14361/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14361
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0267A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHIT BAI W/O LATE GANESH BANJARE. PAPPU BANJARE, SURESH BANJARE S/O LATE GANESH BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री रितिक गुप्ता** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - कन्हैया लाल गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14501/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14501
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G00450** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHARDA PANCHAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAND KISHOR PANCHAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DROUPADI VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHATRUHAN LAL VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14487/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 12-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14487
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235F00004** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JAWALMAL ANRAJ JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MAHAVIR MUTHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती प्रतिभा सावनसुखा - पति श्री राजेश सावनसुखा 2. श्रीमती हर्षिका जैन - पति श्री आकाश जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **3. श्रीमती ऋचा जैन - पति श्री अनुराग जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 431 दिनांक 12.09.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 18 मांग **पंजी क्र. 883 युआईडी 37733** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **किरण मिश्रा / अखिलेश चंद्र मिश्रा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कनक सिन्हा / प्रवेश कुमार सिन्हा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **11-10-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 432 दिनांक 12.09.2024
वार्ड का नाम- संत कबीर वार्ड
वार्ड क्र. 17 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 17 मांग **पंजी क्र. 357 युआईडी 20446** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **ईश्वर वर्मा / लादा राम वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ज्योति शिवहरे / सतीश शिवहरे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **11-10-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 433 दिनांक 12.09.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 18 मांग **पंजी क्र. 195 युआईडी 20823** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **विसाहिन / मेलूराम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राकेश साहू / भेलूराम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **11-10-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **टाटीबंध** कालोनी रायपुर में निर्मित एल.आई.जी. भवन योजना के अंतर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **एल.आई.जी. I/847 श्री सुखदेव सिंह पिता स्व. जीवन सिंग** को भाडांक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबटी द्वारा दिनांक 06/06/2006 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।
आबटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 11/09/2024 का निस्पादित विक्रय इकरारनाना की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री / श्रीमती गुरजन्ट सिंग गिल पिता श्री नछत्तर सिंग गिल** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।
अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **टाटीबंध** कालोनी रायपुर में निर्मित एल.आई.जी. भवन योजना के अंतर्गत भवनों में से भवन क्रमांक **एल.आई.जी. I/846 मुख्तयार सिंग पिता स्व. जीवन सिंग** को भाडांक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबटी द्वारा दिनांक 06/06/2006 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।
आबटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 11/09/2024 का निस्पादित विक्रय इकरारनाना की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्री / श्रीमती गुरजन्ट सिंग गिल पिता श्री नछत्तर सिंग गिल** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।
अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 13 सितंबर 2024

मानिकपुर कॉलोनी को मिलेगा अब स्वच्छ जल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने 2.11 करोड़ की लागत के कार्य का किया भूमिपूजन

साफपेयजल की 15 साल पुरानी थी मांग , अब जाकर लोगों को मिलेगी राहत

कोरबा(विश्व परिवार)। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने मंगलवार को एसईसीएल मानिकपुर वार्ड क्रमांक 30 में 2.11 करोड़ की लागत से होने वाले पेयजल आपूर्ति कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने विधिवत पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा की लंबे समय से मानिकपुर वार्ड के रहवासियों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। एसईसीएल की पुरानी जंग लगी लाईन से गंदे पानी की सप्लाई होती थी। पोखरी के गंदे पानी की वजह से लोगों को कई तरह की बीमारी की समस्या झेलनी पड़ रही थी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आज मानिकपुर कॉलोनी के लिए ऐतिहासिक दिन है, विगत कई वर्षों से जो मांग अधर में लटकी हुई थी। भाजपा शासन आने के बाद तेजी से प्रक्रिया पूरी कर अब कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं।। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की मानिकपुर कॉलोनी के 487 एसईसीएल कर्मचारियों की आज लंबे अरसे बाद पूरी होने जा रही है।।लोगों की समस्या को देखते हुए अब नवीन पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरु किया जा है। जोकि उच्च जलागार से सीधे लोगों के घर तक पहुंचेगी। सभी को साफ पेयजल की आपूर्ति होने लगेगी। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 30 के पार्षद फूलचंद सोनवानी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, वॉर्ड क्रमांक 23 के पार्षद श्री अब्दुल रहमान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, कोरबा मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, सरयू अजय, सुशील गर्ग, नारायण कुर्रे समेत अधिक संख्या में वार्ड वासी उपस्थित रहे। मानिकपुर की चेतना महिला मंडल समिति ने मंत्री श्री देवांगन का पेयजल आपूर्ति योजना के शुभारंभ के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही समिति द्वारा सामाजिक भवन की कमियों से मंत्री श्री देवांगन को अवगत कराया। इस पर मंत्री श्री देवांगन ने भवन की कमी को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद फूलचंद सोनवानी ने विभिन्न परेशानियों से निजात दिलाने मांग पत्र सौंपा। सोनवानी ने कहा की वार्ड के लोग लंबे समय से मांग कर रहे हैं लेकिन आज तक काम नहीं हो सकी है। मांग पत्र को सहर्ष स्वीकार करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा की भाजपा और कांग्रेस में यही अंतर है, कांग्रेस में विधायक, मंत्री और महापौर और पार्षद होने के बाद भी विकास कार्य पांच साल बाद भी शुरु नहीं हुए, लेकिन आप लोगों को अब किसी काम के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

नीलकंठ ने किया बेरोजगार, प्रभावित मिले सांसद से

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र में आऊटसोर्सिंग पर काम कर रही नीलकंठ कंपनी के द्वारा मनमानी करते हुए अनेक कामगारों को बेरोजगार कर दिया गया है। रोजगार छिनने से लोग परेशान हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत से भेंट कर समस्या बताई। साथ ही यथास्थिति बहाल कराने की मांग की। बेरोजगारों ने नेता द्वय को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया गया कि वे सभी ड्राइवर व ऑपरेटर के तौर पर कुसमुंडा माईंस में काम करते रहे हैं। नीलकंठ कंपनी में उनका नियोजन हुआ था, जिसने अपना काम बंद कर हमें बाहर कर दिया है। इससे ठेका कर्मी बेकार हो गए हैं। उनके परिवार का पालन-पोषण करने में दिक्कत हो रही है। प्रभावितों ने बताया है कि कुसमुंडा खदान में नीलकंठ कंपनी का 9 वर्ष का नया टेंडर हुआ है इसलिए उन्हें कुसमुंडा खदान में इस कंपनी में नियोजित कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई किया जाए। नेता द्वय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने के दौरान रूपेश कुमार रंजन सागर, सिरजू दास, रामकुमार चन्द्रा, जयकिशन दास, संजय यादव, विजय कैवर्त, लाल सिंह, शोभनाथ, आशुतोष सिंह, संतोष यादव शामिल थे।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक छात्र की दर्दनाक मौत

अंबिकापुर(विश्व परिवार)। सरगुजा जिले के फुन्दुलडिहारी क्षेत्र में 11 हजार वोल्टेज के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र अंश किराए के रूम की छत पर सुखाए कपड़े लेने गया था. इसी दौरान छात्र हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया. यह मामला गांधीनगर थाना अंतर्गत फुन्दुलडिहारी का है. मृतक छात्र अंश फुन्दुलडिहारी में एक किराए के रूम में रहकर पढ़ाई कर रहा था और छठवीं कक्षा का छात्र था. इस घटना के बाद मोहल्ले में सनसनी फैल गई है. मोहल्ले के लगभग सभी घरों के ऊपर से हाई टेंशन तार गुजरते हैं, जो आम जनता के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रहा है. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

नहर में कूद गई महिला युवक ने बचाई जान

कोरबा(विश्व परिवार)। आज तड़के एक महिला ने आत्मा हत्या के नियत से इमली डुग्गू नहर में छलांग लगा दी। आनन फानन में सैर में निकले एक साहसी युवक ने तैरकर महिला की जान बचाई। जान बचाने वाला कोई और नहीं बल्कि वॉर्ड पार्षद सुफल दास का भाई कुशलदास था। जो अपना साहस का का परिचय देते हुए, महिला का हाथ पकड़ बाहर निकाला। इस संबध में महिला ने आत्मघाती कदम उठाए जानें को लेकर बताई की अपनी बीमारी को लेकर काफी परेशान हैं । और अपने घर वालों को तकलीफ़ नही देना चाहती हैं। अपने नस की बीमारी लेकर को बताई की इस बीमारी से लाखों रुपए खर्च हो चुके हैं जो घर की माली हालत खराब हो चुकी। इस कारण को गले लगाना मुनासिब समझी। वॉर्ड पार्षद सुफलदास महंत ने महिला को समझाते हुए कहा कि आत्मा हत्या बुजदिली का काम है, लाखों लोग बीमारी के जद में हैं।

डीईओ ने लापरवाह प्राचार्य के खिलाफ की अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा

बिलासपुर(विश्व परिवार)। मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम भटचौरा स्कूल में अध्यनरत छात्राओं की बीयर पार्टी ने शिक्षा के मंदिर को शर्मसार कर दिया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को बीईओ व गठित टीम जांच करने पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। बीयर पीती व समोसा पार्टी कर रही पचपेडी के भटचौरा स्कूल की छात्राओं का मामला सामने आने के बाद स्कूलों में किस तरह की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, इसे लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। बर्थडे पार्टी में बीयर पीने के मामले में मंगलवार को जांच शुरू हुई। वायरल वीडियो के आधार पर अध्यनरत छात्राओं का बयान दर्ज किया। जांच करने पहुंची टीम ने स्कूल के प्राचार्य लक्ष्मीचरण वारे का भी बयान लिया। जांच टीम ने बयान के आधार पर प्राचार्य की गंभीर लापरवाही पाई है। विद्यालय में अनुशासनहीनता और प्रबंधन की कमियों को आधार बनाकर जिला शिक्षा अधिकारी टीआर साहू ने कार्रवाई के लिए अनुशंसा की है। मंगलवार को जांच टीम ने भटचौरा स्कूल में पहुंचकर बीयर पार्टी करने वाली छात्राओं का बयान दर्ज किया। जिला शिक्षा अधिकारी के अनुसार छात्राओं ने दिए बयान में समोसा पार्टी का जिक्र किया है। साथ ही बताया कि स्कूल में बीयर की खाली बोतल पड़ी थी। इसे वह मजाकिया अंदाज में दिखा रही थीं।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने महिलाओं के साथ मनाया तीज मिलन समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं ने की भागीदारी

कवर्धा(विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा बुधवार को सामुदायिक भवन, पंडरिया में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की 1500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम में महिलाओं के मनोरंजन हेतु सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था जिसमें उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विधायक भावना बोहरा ने प्रतियोगिता में विजयी महिलाओं को सम्मानित कर तीज पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी, वहीं उनके साथबड़े ही उत्साहव व विभिन्न गतिविधयों के साथ उत्सव को मनाया। कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आने वाले समूह को 11,000 रुपए, द्वितीय स्थान को 5,100 रुपए, तृतीय स्थान को 2,100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इसी तरह एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान को 5,100 रुपए, द्वितीय स्थान को 2,100 रुपए, तृतीय स्थान को 1,100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में तीज क्विन की विजेता एवं उपविजेता को भी ट्रॉफी से भावना बोहरा ने सम्मानित कर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि यह बहुत खुशहाली का अवसर है। तीजा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति,परंपरा एवं नारी शक्ति के प्रतीक पर्व के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। तीजा में सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु जीवन की कामना लेकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि जारी कर रही है। भावना बोहरा ने आगे कहा कि तीज-त्यौहारों की परंपरा काफी समृद्ध है। यहां की महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेत-खलिहानों में काम करके देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की महिलाओं में तेजी से शिक्षा और साक्षरता का प्रसार हुआ है। तीज का व्रत संकल्प शक्ति और अखंड सौभाग्य की कामना का प्रतीक पर्व है। यह पर्व उन सभी माताओं-बहनों की शक्ति को भी दर्शाता है कि वे एक पत्नी के रूप में अपने पति की दीर्घायु की लिए इतनी कठिन निर्जला व्रत रखतीं हैं। यह एक प्रकार से महिलाओं की सहनशीलता, समर्पण और हमारी संस्कृति एवं सभ्यता के साथ ही धार्मिक आस्था को भी यथार्थ करती है।

आयुष विभाग ने किया विद्यालय के बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

सूरजपुर(विश्व परिवार)। आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के आयुष विभाग के द्वारा प्रत्येक विद्यालयों में कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक के बच्चों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही उनको आयुर्विद्या के बारे में जानकारी के साथ स्वास्थ्य जागरूकता ,दिनचर्या ,ऋतुचार्य तथा आयुर्वेद के बारे में संक्षेप में विवरण, संतुलित आहार बिहार ,योग प्राणायाम का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव के संबंध में जानकारी, जंक फास्ट फूड पैकेट फूड के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी, वात पित्त कफ प्रकृति के संबंध में जानकारी , वर्षा ऋतु एवं वर्षा ऋतु में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव के संबंध में जानकारी , इसके साथ ही , औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गई । 10 सितम्बर 2024 को प्राथमिक शाला मैन रोड सूरजपुर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया उनका वजन लंबाई नापा गया आयुर्विद्या के बारे में आयुर्वेद के बारे में, हस्त प्रक्षालन तथा योग के बारे में जानकारी दी गई एवं पांच औषधीय पौधों जैसे गिलोय ,तुलसी नीम, करंज,मुनगा, के बारे में जानकारी दी गई इसमें 72 बच्चों का नि: शुल्क परामर्श दिया गया इसमें मुख्य रूप से डॉक्टर कुलदीप देवेदी, डॉ दिवाकर सिंह, दाऊ राम कंवर प्रधान अध्यापक कनक गोयल शिक्षिका उर्मिला यादव और शिखक प्रकाश सोलंकी उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र कटघोरा में प्राकृतिक एवं गौ आधारित खेती पर कार्यशाला हुई आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय कटघोरा, कोरबा तथा कृषि विभाग व भारतीय किसान संघ के तत्वाधान में कृषि विज्ञान केन्द्र में भगवान श्री बलराम जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में प्राकृतिक एवं गौ आधारित खेती पर कार्यशाला आयोजित की गई। भगवान श्री बलराम की जयंती प्रतिवर्ष भाद्रपद, शुक्ल षष्ठी तिथि को आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम का ऑनलाईन शुभारंभ इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया। जहां कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं सांसद रायपुर श्री बृजमोहन अग्रवाल सहित प्रबंध मंडल सदस्य भी उपस्थित थे। इसी कड़ी में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय कटघोरा में भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष श्री तारा सिंह कंवर एवं भारतीय किसान संघ कोरबा के प्रतिनिधि श्री शेष नारायण पटेल, डॉ. एस.एस. पोर्ते अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कटघोरा, डॉ. एस.के. उपाध्याय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान श्री डी.पी.एस. कंवर उप संचालक कृषि, कोरबा श्रीमती सीमा गौतम अनुविभागीय अधिकारी कृषि कोरबा एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े कृषक एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों द्वारा प्राकृतिक एवं गौ आधारित खेती एवं उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान प्राकृतिक एवं गौ आधारित खेती करने वाले 15 कृषकों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। साथ ही हल, कृषि यंत्रों, गौ-माता का पूजन भी किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा प्राकृतिक खेती पर गाय के गोबर से खेती करके इसे विज्ञान से जोड़कर खेती करने की सलाह दी गई।

ऋषि पंचमी पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा किया गया उद्यापन

अग्रसेन भवन में हुए इस आयोजन में 55 जोड़ो ने निभाई सहभागिता

जांजगीर(विश्व परिवार)। अग्रसेन भवन नैला में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा ऋषि पंचमी का उद्यापन करवाया गया जिसमें 55 जोड़ों ने भाग लिया। इस दौरान उद्यापन बहुत हर्ष उल्लास और विधि विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। सभी जोड़ो ने उत्साह पूर्वक पूजा कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमर सुल्तानिया और संजय भोपालपुरिया मौजूद रहें। उद्यापन के दौरान मथुरा से पधारे महाराज विष्णु कांत जी ने कथा सुनाई। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद अमर सुल्तानिया ने ऋषि पंचमी की महत्ता को बताते हुए कहा कि हर साल भादो मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथी को यह पर्व मनाया जाता हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत उपवास करने से जाने अनजाने में हुई गलतियों का प्रायश्चित होता हैं। इस दौरान संजय भोपालपुरिया ने भी संबोधित करते हुए आयोजन की सराहना की। गौरतलब है कि ऋषि पंचमी के दिन लोग सप्त ऋषियों की पूजा करते हैं और उनका आशिर्वाद पाने के साथ ही अपने पापों को क्षमा करने की प्रार्थना करते हैं। शास्त्रों में इन सप्त ऋषियों के नाम कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ बताये गए हैं। आयोजन को सफल बनाने में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष ममता अग्रवाल और समिति की सदस्यों ने सहयोग किया। इस दौरान समिति सदस्य बबीता अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, विजेता अगवाल, किरण गड्डानी, मोनू अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, कीर्ति अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, लता अग्रवाल, निधि अग्रवाल, राधा अग्रवाल, संतोषी भोजसिया, सुमित्रा अग्रवाल, स्वीटी अग्रवाल, उषा पहरिया, सीमा गोयल सहित सभी सदस्य शामिल रहे।

बालको ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित किया 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

कोरबा(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने ईसीसीई कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया। प्रशिक्षण नंद घर परियोजना के व्यापक उद्देश्य, बच्चों के बेहतर देखभाल को सुनिश्चित करते हुए नंद घर में पोषण और बेहतर वातावरण बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आवश्यक कौशल तथा ज्ञान प्राप्त करने पर केंद्रित था। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी प्रथाओं को शामिल करने और व्यवहार परिवर्तन की शुरुआत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण से ईसीएस कार्यक्रमों को लागू करने में सहायक हैं। 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (एडब्ल्यूडब्ल्यू) के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने का एक मंच के रूप में काम किया तथा नंद घर के बेहतर उपयोग को बढ़ाने के लिए विचारों के आदान-प्रदान को सुनिश्चित किया गया। 3 नंद घर के सदस्यों तथा 29 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कार्यक्रम में हिस्सा लिया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में इसकी भूमिका को समझना। नंद घर, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के मॉडल को अपनाते हुए सर्वांगीण बाल विकास को बढ़ावा दे रहा है। प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों का उद्दीपन (ईसीएस), 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के संज्ञानात्मक, शारीरिक और सामाजिक विकास को उद्दीपन करने की तकनीक और अभ्यास में इसके महत्व के बारे में जानना। ऐसी तरीकों की खोज जो बच्चों के सर्वांगीण विकास का समर्थन करती हैं जिसमें नैतिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। नंद घर में अनुकूल सीखने का माहौल बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश। निरंतर उद्दीपन और सीखने को सुनिश्चित करने के लिए एक मासिक कार्यक्रम कैलेंडर तैयार करना। आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका और बचपन के विकास को बढ़ावा देने में उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करना। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि सामुदायिक विकास कार्यक्रम कंपनी के दृष्टिकोण में शामिल है। हम छत्तीसगढ़ में विभिन्न नंद घर की मदद से बाल विकास का समर्थन कर समुदाय की भलाई को बढ़ावा दे रहे हैं। बच्चे इस देश की भविष्य है, कंपनी उनके विकास के लिए विभिन्न पहल संचालित करता है। वेदांता समूह दिल्ली हाफ मैराथन आयोजित कर रहा है जिसमें 'रन फॉर जीरो हंगर' के तहत वन किलोमीटर वन मील (भोजन) का प्रावधान है। कंपनी ने संकल्प लिया है कि प्रत्येक किलोमीटर पर नंद घर के बच्चों को वन मील (भोजन) मुहैया कराया जाएगा। सुश्री रेणु प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला और बाल विकास ने वेदांता बालको द्वारा संचालित नंद घर परियोजना की सराहना की।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 13 सितंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आखिरकार अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप को लेकर वह चेतावनी दी है, जिस पर अर्थ जगत में पहले से चिंता रही है। नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण में निहित खतरों को लेकर आगाह किया है। उन्होंने देश के वित्तीयकरण के जाल में फंसने की आशंका जताई है। जब शेयर बाजार का सकल पूंजी मूल्य जीडीपी के 140 प्रतिशत तक पहुंच गया हो, तो समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था किस मुकाम पर है।नागेश्वरन ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में हो रहे रिकॉर्ड मुनाफे से एक ऐसी परिघटना सामने आई है, जिस पर कड़ी नजर रखनी होगी। उनकी ये बातें खास गौरतलब है- %जब बाजार का आकार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है, तब यह स्वाभाविक है कि बाजार के हित और उसकी प्राथमिकताएं सार्वजनिक विमर्श पर हावी हो जाती हैं, हालांकि ऐसा होना तार्किक रूप से जरूरी नहीं है। यहां मैं उस परिघटना का जिक्र कर रहा हूं, जिसे वित्तीयकरण अथवा नीति एवं सकल अर्थव्यवस्था के लाभों पर वित्तीय बाजार के वर्चस्व के रूप में जाना जाता है।' ऐसा होने पर क्या होता है, इसकी चर्चा भी मुख्य आर्थिक सलाहकार ने की है। उनके मुताबिक सार्वजनिक एवं निजी ऋण का अभूतपूर्व ऊंचा स्तर- जिसमें से कुछ ऋण विनियामकों को मालूम है और कुछ नहीं, परिसंपत्तियों की मूल्य वृद्धि पर आर्थिक वृद्धि का निर्भर हो जाना और उसके परिणामस्वरूप गैर-बराबरी में भारी बढ़ोतरी, ये वित्तीय वर्चस्व वाली अर्थव्यवस्था के परिणाम हैं। उन्होंने आगाह किया कि भारत को ऐसे परिणामों से बचने का प्रयास करना चाहिए। नागेश्वरन की ये बातें सोलह आने सच हैं। अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने के दुष्परिणाम आज कभी औद्योगिक शक्ति से दुनिया पर अपना दबदबा बनाने वाले विकसित देश भी झेल रहे हैं। मगर सवाल है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं। क्या नागश्वेरन जिस सरकार से जुड़े हैं, उसमें ये दिशा बदलने का बौद्धिक साहस और माद्दा मौजूद है?

आलेख

उत्तम संयम.....संयम के बिना हमारा जीवन बिना ब्रेक की कार की तरह

■ (संयम एक प्रकार का आत्मानुशासन है)

–डॉ. सुनील जैन

आज दशलक्षण धर्म का छटवाँ दिन है- उत्तम संयम धर्म। संयम का शाब्दिक अर्थ सम् + यम = संयम अर्थात् सम्यक रूप से यम अर्थात् नियंत्रण करना संयम है। घोड़े को यदि लगाम न लगी हो तो घोड़ा बेकाबू होकर अपने सवार को किसी खड्डे में गिरा देता है, इसी तरह इन्द्रियों पर आत्मा यदि अँकुश न लगावे तो इन्दियाँ भी आत्मा को दुर्गति में डाल देती हैं। इस कारण अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण लगाकर इन्द्रियों को अपने वश में रखना आवश्यक है। हम कह सकते हैं जैसे बिना ब्रेक के गाड़ी बेकार है ठीक उसी प्रकार बिना संयम के अमूल्य मनुष्य भव बेकार है। इसीलिये आगम में संयम का पालन मुनिराज और श्रावक दोनों के लिये वर्णित है। संयम ही जीवन का श्रृंगार है। मनुष्य संयम धारण कर सकता है, इसलिए समस्त जीवों में वह श्रेष्ठ है। जीवन रूपी नदी के लिए संयम धर्म का पालन करना जरूरी है। संयम को हम बंधन कह सकते हैं। लेकिन यह बंधन सांसारिक प्राणी के लिए दुखदाई नहीं वरन? दुखों से छुटकारा दिलाने वाला है। नदी बहती है पर तटों का होना जरूरी है। इसी प्रकार संयमी जीवन ही अपने अनंत सुखों को प्राप्त कर सकता है। संयम को धारण करने का हमें पूर्ण अधिकार मिला है लेकिन सांसारिक प्राणी पंचेन्द्रिय विषय के वशीभूत होकर इससे दूर भागते हैं। जिससे वह जीवन रूपी गाड़ी में सफल नहीं हो पाते हैं। संयम एक प्रकार का आत्मानुशासन है । लोग दूसरों पर शासन करना चाहते हैं ,लेकिन खुद अनुशासित नहीं हो पाते हैं ।

अच्छा शासन भी वही कर सकता है जो निज पर शासन करना जनता हो । हमें ईमानदारी से विचार करना है कि हम इन्द्रियों के दास हैं या इन्द्रियां हमारी दास हैं ? प्राणी और इन्द्रीय संयम के भेद से यह दो प्रकार का है। प्राणियों की रक्षा करना प्राणी संयम है। जबकि पंचेन्द्रिय विषयों से विरक्ति और मन की आकांक्षाओं पर नियंत्रण इन्द्रीय संयम है।

1- इन्द्रिय संयम

स्पर्शन, रसना , घ्राण , चक्षु और कर्ण इन पाँचों इन्द्रियों के 27 विषयों (स्पर्शन के 8, रसना के 5, घ्राण के 2 ,चक्षु के 5 , और कर्ण के 7) में प्रवर्तन पर नियंत्रण रखना इन्द्रिय संयम है। क्योंकि पंचइन्द्रियों के विषयों का सेवन हम सुख की वांछा से करते हैं , पर विचार करें कि क्या हमें उनके सेवन से सुख मिलता है ? नहीं !! भ्रम से सुख का आभाष मात्र होता है , वो भी कुछ ही क्षणों के लिये। वास्तव में विषयों का सुख किंपाक फल के समान है , जो जीभ पर रखने पर तो मीठा लगता है , पर बाद में घोर दुख , महादाह , और संताप देकर मरण को प्राप्त कराता है , ठीक उसी प्रकार ये पंचेन्द्रिय के विषय जीव को बहुत आकर्षित करते है, लुभावने और मनमोहक लगते हैं , पर इनके

फल में जीव अनंतकाल तक नरकों के घोर दुखों को सहन करता है।

2- प्राणी संयम

निगोदिया जीव से लेकर पंचेन्द्रिय तक के समस्त जीवों की रक्षा करना प्राणी संयम है। जिस प्रकार अपनी आत्मा है उसी प्रकार अन्य जीवों के भी आत्मा है, जिस तरह हमको शारीरिक दुख होता है उसी प्रकार अन्य जीवों को भी शरीर की पीड़ा होती है। एकेन्द्रिय जीव पृथ्वी, पर्वत आदि पृथ्वीकायिक जीव, पानी ओला, ओस आदि जलकायिक जीव; आग, दीपक, बिजली आदि अग्निकायिक जीव; हवा, आंधी, यदि वायुकायिक जीव; वृक्ष, वेल, घास, झाड़ी, पौधे, फल-फूल, पत्ते आदि वनस्पतिकायिक जीव एकेन्द्रिय होते हैं। वे बोल नहीं सकते परंतु उनको भी दुख तो होता ही है। डॉ0 जगदीशचन्द्र वसु प्रयोग करके बतलाते थे कि किसी पेड़ में यदि कील आदि नुकीली चीज चुभाई जाय तो वह पीड़ा से कांपता है। इस कारण बिना किसी प्रयोजन के न पृथ्वी, पहाड़ खोदना चाहिए, न पानी बिखेरना चाहिए न आग जलानी चाहिए न हवा करनी चाहिए और न फूल, पते, घास, डाली आदि तोड़नी चाहिए। लट, केंचुआ, जोंक आदि दो इन्द्रिय जीव हैं। चींटी, खटमल, जूं आदि कीड़े मकोड़े तीन इन्द्रिय जीव हैं। मक्खी, मच्छर, भौंरा, पतंगा आदि चार इन्द्रिय जीव होते हैं और पशु पक्षी, मनुष्य आदि पँचेन्द्रिय जीव हैं इन सब को त्रसकाय कहते हैं। इस सब जीवों को रक्षा भी उसी तरह करनी चाहिये जिस तरह कि अपने प्राणों की रक्षा की जाती है। इसको ही प्राणी-संयम कहते हैं। हम अपने क्षुद्र स्वार्थों को पूरा करने के लिये न जाने कितने जीवों की हिंसा प्रतिदिन करते हैं। जैसे अभक्ष्य भक्षण , रात्रि भोजन , सौन्दर्य के सामान आदि के लिये हम अनंत जीवों की हिंसा करते हैं। यदि हम चाहे तो इन इच्छाओं पर नियंत्रण करके आंशिक रूप से ही सही जीव दया का पालन कर संयम की रक्षा कर सकते हैं। जो एक सच्चे श्रावक को करना ही चाहिये। संयम के बिना हमारा जीवन बिना ब्रेक की कार की तरह है । कार में ब्रेक हो तो कार अन्यथा बेकार । उसी प्रकार जिसके जीवन में जरा सा भी संयम नहीं है उसका जीवन भी बेकार । सभी जन्मों में मनुष्य जन्म ही ऐसा जन्म है जिसमें संयम धारण करने की सामर्थ्य है ।इसलिए हमें मनुष्य भव का उपयोग संयम धारण कर के कर लेना चाहिए । मानव आज दिन प्रतिदिन मर्यादायें तोड़ता जा रहा है । खानपान की मर्यादायें टूट रही हैं । अभक्ष्य , अस्पृश्य और मादक पदार्थ तक भोजन में सम्मिलित होने लगे हैं । तामसिक और चटपटी मसालेदार वस्तुयें ज्यादा रुचिकर लगती हैं । जो असंयम की पोषक , रागवर्धक तो होती ही हैं स्वास्थ्य के लिये हानिकारक भी होती हैं । तरह - तरह के पान मसाले , गुटखा , तम्बाखू आदि के दुष्परिणाम विभिन्न रोग (यहां तक कि केंसर आदि) के रूप में भी देखने में आ रहे हैं । अधिकांश सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री हिंसात्मक तरीके से तैयार होती है ऐसे इन काम भोगों का परिणाम समझते हुए हमें संयम अपनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए । जो इंद्रिय पर विजय प्राप्त कर लेता है, वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। हम अपने ये काम भोग क्षण भर सुख और चिरकाल तक दु : ख देने वाले हैं , बहुत दु : ख और थोड़ा सुख देने वाले हैं ,संसार से मुक्ति होने के विरोधी और अनर्थों की खान हैं ।

आलेख

जैन दस लक्षण धर्म विशेष उत्तम संयम करें

मन का दिशा दर्शन

विजय कुमार जैन

नदी को सागर तक की यात्रा के लिये किनारों का बंधन स्वीकार करना अनिवार्य है। इसी बंधन का नाम संयम है। जीवन की धारा को एक निश्चित दिशा और नियंत्रित वेग में प्रवाहित करने का नाम है संयम । अपने मन और इन्द्रियों को नियंत्रित रखकर जीवन को आगे बढ़ाने का नाम है संयम । संयमपूर्ण जीवन का मतलब है स्वस्थ्य, व्यवस्थित और संतुलित जीवन शैली । संयम के अभाव में जीवन का कोई उपयोग नहीं। जीवन की सार्थकता संयम में है। टिमटिमाते दीपक के प्रकाश में हम कुछ पढ़ नहीं सकते । उसका प्रकाश सघन नहीं होता । कभी- कभी हमारी श्वासों से भी उसके बुझने का भय रहता है। लेकिन उसी दीपक पर यदि कोई चिमनी रख दी जाये तो उसकी आभा निखर उठती है। उसकी सघन आशा में पर्याप्त प्रकाश पा सकते हैं। संयम की आराधना ही जीवन की श्रेष्ठ साधना है। अपने मन और इंन्द्रियों पर नियंत्रण रखना संयम है। अपने भटकते हुए मन और विपथगामी इन्द्रियों को रोके बिना जीवन का उद्धार संभव नहीं है। इसलिये गीता में श्री कृष्ण ने कहा है ''असंयतात्मना योगो दुष्प्राप इति मे वच:'' असंयत आत्मा के लिये योग की उपलब्धि असंभव है। मन और इन्द्रियाँ मनुष्य की दो मौलिक शक्तियाँ हैं। पूरे प्राणी जगत में जितना सक्षम मन और जितनी समर्थ इन्द्रियाँ मनुष्य को प्राप्त है, उतनी संसार के किसी भी प्राणी को नहीं । आज मनुष्य का जीवन पूरी तरह पराधीन हो गया है। यह पराधीनता ही दुख का मूल कारण है। क्योंकि इन्द्रिय चेतना एक मृग मरीचिका है जिसमें मनुष्य को भटकन प्यास और

अतृप्ति के अतिरिक्त और कुछ नहीं मिलता । इन्द्रिय चेतना हमारी आत्मा को भटकाती है। मनुष्य के मन में इन्द्रिय विषयों के प्रति आसक्ति होती है। गीता में कहा है इन्द्रिय विषयों के संयोग से उत्पन्न होने वाले भोग विषयी पुरूष को भले ही सुख रूप प्रतीत हों, पर यथार्थत: वे दुख के जनक हैं। आदि अन्त वाले नाशवान अनित्य है। है अर्जुन । बुद्धिमान दूरदर्शी मनुष्य इसमें रमण नहीं करता, उनमें आसक्त नहीं होता।इन्द्रियों को अपने विषयों से हटाकर अपने अपने गोलक में स्थापित कर देना ही वास्तविक इंन्द्रिय विजय है। इन्द्रिय विजय का मतलब इन्द्रियों को नष्ट करना नहीं है। इन्द्रियों के साथ तोड-फोड करना कदापि हितकर नहीं है। इंन्द्रिय विजय का सच्चा अर्थ विषयों की ओर भटक रही बहिर्मुखी इन्द्रियों को अपनी और मोड़कर अपनी सेविका बनाकर उनका सद्उपयोग करना है। जिसने अपने मन को जीत लिया है वही जगत को जीत सकता हें मनोविजय ही जगत की विजय है। मनोविजय के अभाव में मनुष्य चाहे जितना भी साधन सम्पन्न क्यों न हो, वह सक्षम नहीं हो सकता । वर्तमान में मानव की शक्ति विस्तीर्ण होती जा रहीं है, लेकिन वह स्वयं शक्तिहीन होता जा रहा है। आत्म संयम की रक्षा अपने खजाने के समान करना चाहिये। क्योंकि उससे बढ़कर जीवन में और कोई निधि नही है। मन की वृतियों को दबाने मात्र से मन की जय नहीं होगी । ऐसा करने से बाहर से ये दिखाई देता है कि उन पर विजय हो गई पर अन्दर वे बनी रहती हे। और निमित्त मिलते ही पुन: उभर आती है। अत: मन को नियंत्रित करने का यही सही तरीका नहीं माना जा सकता । उसका सही तरीका प्रवाह परिवर्तन । अर्थात उन शक्तियों को अपने आप मे रहीं हुई वृतियों/प्रवृतियों के साथ परिचय करना उनकी उपयोगिता जानना और फिर उनसे मैत्री करके उनके प्रवाह को मोडना, उन्हे अपना सहयोगी बना लेना यही मनोविजय अथवा उत्तम संयम है।

नोट- लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

स्वच्छ भारत मिशन न केवल जीवन जीने में आसानी और सम्मान से जुड़ा है, बल्कि इसका योगदान बहुमूल्य जीवन को बचाने में भी है..

■ स्वच्छ भारत मिशन के लाभों में बेहतर स्वास्थ्य और लोगों का जीवन बचाना भी शामिल है

■ बच्चों के अस्तित्व पर स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव

■ स्वच्छ भारत मिशन सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और लोगों का जीवन बचाता है

विनोद के. पॉल

स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक बुनियादी उपाय है। स्वच्छता से डायरिया, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कृमि संक्रमण एवं मलाशय संबंधी रोग जैसी जल-जनित बीमारियों के साथ-साथ कुपोषण का खतरा कम हो जाता है। वर्ष 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया था कि स्वच्छता में निवेश किए गए प्रत्येक अमेरिकी डॉलर के एवज में स्वास्थ्य संबंधी लागत में कमी, अधिक उत्पादकता और असामयिक मौतों में कमी के रूप में 5.5 अमेरिकी डॉलर के बराबर का लाभ मिलता है। भारत में स्वच्छता का इतिहास बहुत पुराना है और इसकी शुरुआत उस सिंधु घाटी सभ्यता से होती है, जहां शौचालय निर्माण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता था। हमारे शास्त्रों में कहा गया हैङ्क 'स्वच्छे देहे स्वच्छचित्तं, स्वच्छचित्ते स्वच्छज्ञानम्' यानी स्वच्छ शरीर में शुद्ध मन का निवास होता है और शुद्ध मन में सच्चे ज्ञान का निवास होता है। इस समृद्ध विरासत के बावजूद, व्यापक स्वच्छता की दिशा में भारत की यात्रा चुनौतियों से भरी रही है। वर्ष 1981 की जनगणना के समय तक, मात्र एक प्रतिशत ग्रामीण घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध थी। इस हकीकत ने भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों- केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम, संपूर्ण स्वच्छता अभियान और निर्मल भारत अभियान- के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। इन सभी कार्यक्रमों की सहायता से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता कवरेज 39 प्रतिशत तक पहुंच गया। दुनिया भर में होने वाले खुले में शौच का लगभग 60 प्रतिशत बोझ भारत पर था। यहां 50 करोड़ से अधिक लोग खुले में शौच करते थे। हमारी महिलाओं के सामने अधेरे में अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने और अपनी गरिमा एवं सुरक्षा बनाए रखने की दुविधा थी।

इसी पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्षों में ग्रामीण भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लक्ष्य के साथ 2014 में स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की शुरुआत की थी।

भारत ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन पांच महत्वपूर्ण वर्षों के दौरान, ग्रामीण स्वच्छता कवरेज बढ़कर शत-प्रतिशत हो गया। इस मिशन के तहत, 2014 से 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निवेश के साथ 11.7 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।* यह महज परिसंपत्ति निर्माण की एक कवायद भर नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी आंदोलन था जिसने व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित एक ठोस क्रांति के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को मिलाकर एक अरब से अधिक लोगों को प्रेरित किया। इसकी पहचान एक 'जन आंदोलन' के तौर पर थी और यह शायद व्यवहार में परिवर्तन से संबंधित दुनिया की सबसे बड़ी कवायद थी। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों, समुदाय के नेताओं, नागरिक समाज और सरकारी मशीनरी ने एकजुट होकर काम किया। स्वच्छता से जुड़े संदेश हर माध्यम से लोगों तक पहुंचे। मशहूर हस्तियों ने इस सामूहिक सुर में सुर मिलाया। ग्राम-स्तर के स्वयंसेवक ('स्वच्छाग्रही') ज़मीनी स्तर पर परिवर्तन के चैंपियन बन गए। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों, बैठकों, 'मन-की-बात' में किए जाने वाले वार्तालापों और स्थानों एवं परिसरों की सफाई के आदर्श कार्यों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और लोगों को प्रेरित किया। एसबीएम चरण-द्व की सफलता के बाद, चरण-द्वद्व की शुरुआत की गई। इस चरण का उद्देश्य ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, परिदृश्य स्वच्छता और समग्र ग्रामीण स्वच्छता के व्यापक पहलुओं का समाधान करते हुए ओडीएफ संबंधी उपलब्धियों को बनाए रखना है। वर्ष 2024-25 तक, सभी गांवों को स्थायी तौर-तरीकों और बेहतर स्वच्छता की विशेषता से लैस ओडीएफ प्लस मॉडल में बदलने का लक्ष्य है। इस मिशन का अगला लक्ष्य संपूर्ण स्वच्छता है- जिसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक, समुदाय और संस्थान की ओर से निरंतर समर्पण की आवश्यकता होगी। शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'नेचर' में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन सार्वजनिक स्वास्थ्य पर एसबीएम के व्यापक प्रभाव को रेखांकित करता है, खासकर शिशु मृत्यु दर को कम करने के मामले में। 'स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण और शिशु मृत्यु दर' शीर्षक वाले इस अध्ययन में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) के रुझानों से संबंधित 10 वर्षों की अवधि (2011-20) में 35 भारतीय राज्यों और 640 जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। लेखकों ने शौचालय की बढ़ती सुलभता और बाल मृत्यु दर में गिरावट के बीच एक मजबूत संबंध का दस्तावेजीकरण किया है। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि एसबीएम के बाद जिला स्तर पर शौचालयों की सुलभता में प्रत्येक 10 प्रतिशत अंक की वृद्धि से जिला स्तर पर आईएमआर में 0.9 अंक और यू5एमआर में औसतन 1.1 अंक की कमी आई है। एक सीमा प्रभाव का भी सबूत है, जिसमें जिला स्तर पर 30 प्रतिशत (और उससे अधिक) का शौचालय कवरेज आईएमआर में 5.3 अंक और प्रति हजार जीवित जन्मों पर यू5एमआर में 6.8 अंक की कमी के समतुल्य है। *लेखकों का अनुमान है कि एसबीएम के कारण बड़े पैमाने पर शौचालय की सुलभता ने सालाना 60,000- 70,000 शिशु मृत्यु को रोकने में योगदान दिया है।*

हालांकि, यहां इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह मात्र प्रभाव संबंधी अध्ययन भर नहीं है, जो एसबीएम की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2018) के अनुसार, 2014 और 2019 के बीच डायरिया से होने वाली 3,00,000 से अधिक मौतों को रोकने में एसबीएम की अहम भूमिका रही है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (2017) ने बताया कि गैर-ओडीएफ गांवों की तुलना में ओडीएफ वाले इलाकों के बच्चों में वेस्टिंग के मामले 37 प्रतिशत कम थे, जो इस बात की पुष्टि करती है कि स्वच्छता कैसे बचपन के पोषण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। ओडीएफ गांवों के बच्चों में डायरिया के मामले लगभग एक तिहाई कम थे। वर्ष 2017 में एक अध्ययन में, यूनिसेफ ने अनुमान लगाया कि 93 प्रतिशत महिलाएं घर में शौचालय उपलब्ध होने के बाद सुरक्षित महसूस करती हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को बढ़ाने में एसबीएम की भूमिका को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में किए गए आर्थिक विश्लेषण से पता चला कि ओडीएफ गांवों में प्रत्येक परिवार ने स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की अपेक्षाकृत कम लागत और बचाए गए जीवन के आर्थिक मूल्य एवं समय की बचत की दृष्टि से सालाना लगभग 50,000 रुपये की बचत की।

स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बीच के संबंध को देखते हुए, एसबीएम से हासिल हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी लाभ अपरिहार्य हैं। हाल के अध्ययन से हमें जो जानकारी मिली है, वह शौचालय की सुलभता के कारण बच्चों के जीवित रहने की संभावनाओं में सुधार का एक ठोस परिमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता से संबंधित बदलाव निश्चित रूप से वयस्कों में जल-जनित संक्रमण को कम करने के साथ-साथ संभवत: रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बोझ को भी कम करने में प्रभाव डालेगा। इसका बचपन में स्टंटिंग एवं विकास पर भी निरंतर प्रभाव माना जाता है। आईसीएमआर और शिक्षा जगत को एसबीएम के इन आयामों पर वस्तुनिष्ठ अध्ययन करना चाहिए।

स्वच्छ भारत मिशन इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि समर्पण, सहयोग, योजना, शानदार कार्यान्वयन और निरंतर जन आंदोलन के जरिए क्या कुछ हासिल किया जा सकता है। एसबीएम के 4पी वाले मंत्र- राजनीतिक इच्छाशक्ति, सार्वजनिक वित्त, साझेदारी और जनभागीदारी- के साथ-साथ अनुनय, इस कार्यक्रम की सफलता एवं प्रसार में सहायक रहे हैं। यह 'रणनीतिक पैकेज' देश में और विदेश में अन्य सामाजिक परिवर्तन मिशनों के लिए एक मॉडल है।

अब जबकि हम विकसित भारत ङ्क2047 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमें स्वच्छता और साफ-सफाई के मामले में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरने की जरूरत है। व्यवहार में बदलाव को बनाए रखने, निर्मित शौचालयों का निरंतर उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट प्रबंधन के उन्नत उपायों को समन्वित करने की प्रतिबद्धता अटल रहनी चाहिए। स्वच्छता एक ऐसा साझा मूल्य बनना चाहिए, जिसके स्वामित्व और पालन की जिम्मेदारी हम सभी को उठानी चाहिए।

यह मिशन अगले महीने गांधी जयंती पर अपनी 10वीं वर्षगांठ मनाएगा। एसबीएम के एक दशक की अवधि में हमें अभूतपूर्व लाभ हुए हैं- स्वच्छ पर्यावरण, महिलाओं की गरिमा एवं सुरक्षा, जीवनयापन में आसानी, घरेलू बचत और हमारी परंपरा के अनुरूप स्वच्छता की संस्कृति से हम समृद्ध हुए हैं। अब हम सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जीवन बचाने में एसबीएम की एक मजबूत छाप भी देख रहे हैं। इस नेक मिशन की सफलता वास्तव में हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

डॉ. विनोद पॉल नीति आयोग के सदस्य हैं। ये उनके निजी विचार हैं।

बड़े मंदिर मालवीय रोड में पर्यूषण पर्व का पांचवा दिवस उत्तम शौच धर्म उल्लास पूर्वक मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के दिगंबर जैन पंचायत बड़े मंदिर मालवीय रोड़ में आदिनाथ जिनालय में पर्युष्ण पर्व के पंचम दिन 12/09/2024 उत्तम शौच बड़े ही धूमधाम से मनाया गया ट्रस्ट के मैनेजिग ट्रस्ट्री नरेंद्र जैन, अध्यक्ष- यशवंत जैन, सचिव- सुजीत जैन, कोषाध्यक्ष-दिलीप जैन ने बताया भाद्रपद शुक्ल अष्टमी उत्तम उत्तम शौच के दिन प्रमुख प्रथम चार कलश के लाभार्थी सौधर्म इंद्र - श्री लोकेश चंद्रकांत जैन, ईशान इंद्र - श्री प्रयेश धर्मेन्द्र जैन, सनत इंद्- श्री राजीव जैन, महेंद्र इंद्र- श्री मनोज जैन, शान्ति धारा के लाभार्थी- श्री अमरचंद जैन सोहनी देवी, यशवंत जया, मेघा, प्रथम, किशोर, महेन्द्र जैन परिवार, द्वितीय शांतिधाराकर्ता समस्त उपवास कर्ता ने बा. ब्र .संदीप भईया सरल के सानिध्य में दसलक्षण विधान भी किया जा रहा है जिसमें पंचम दिन के लाभार्थी श्रीमति सकुंतला रवि जैन कुम्हारी दस दिवसीय- भोजनशाला में आज के लाभार्थी श्री महेन्द्र कुमार, सनत कुमार अनिल, रोमिल जैन चूड़ी वाले एवं श्रीमती लताजी गुलशन लक्ष्मीकांत जैन रायपुर बने। प्रतिदिन दोपहर 3 बजे एवं रात्रि 8 बजे विद्यासागर हॉल में बा.ब्र. संदीप सरल भैया जी (बीना)द्वारा जैन धर्म क्या है, जिनधर्म प्रवेश, अनेकात स्वायद्वाद पर प्रवचन किया जा रहा है साय कालीन आरती के लिए सुप्रसिद्ध संगीतकार श्रुति जैन एंड टीम जबलपुर के द्वारा करवाई जाती है सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में खेल खेल में ज्ञानी बने हम महामंत्र ग्रुप रायपुर के द्वारा प्रस्तुति जाएगी, सभी लोगों उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। कल उत्तम संयम धर्म मनाया जाएगा। - **लोकेश चंद्रकांत जैन**

पांचवा दिवस उत्तम सत्यधर्म : मन में दरिद्रता आते ही व्यक्ति असत्य की ओर दौड़ने लगता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। विचारों की शुद्धि और मन की पवित्रता से ही निश्चलता, निष्कलुषता, निष्कपटता, तथा निश्वार्थता ये चार गुण प्रकट हो जाते है वह मनुष्य छल कपट राग द्वैष से ऊपर उठकर उत्तम सत्यधर्म का पालन कर अपने आचरण में उतार पाता है। उपरोक्त उद्‌गार मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने पर्वराज पर्युषण दशलक्षण धर्म के पांचवे दिवस उत्तम सत्यधर्म के दिनप्रात:कालीन धर्मसभा को सम्वोधित करते हुये मोहता भवन रैसकोर्स रोड़ पर व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि मधुर वचन सुहृदयता और बैचारिक उदारता का प्रतीक है, जब कि मन में दरिद्रता आते ही व्यक्ति असत्य की ओर दौड़ने लगता है तथा घटिया शब्दों के चयन से माहोल भी घटिया कर देता है, इसलिये कहा गया है कि जब भी बोलो हित मित प्रिय बोलो अथवा मौन रहो।

मुनि श्री ने कहा कुछ लोगों कि आदत होती है बात बात पर वह झूंठ बोलते है, ऐसे लोगों की बात पर कोई विश्वास नहीं करता तथा कुछ लोग मजाक मजाक में झूंठ बोलते है वह लोग ऐसे कर्म बांधते है कि उसका फल उनको कयी जन्मों तक भोगना पड़ता है। महाभारत इसका साक्षात उदाहरण है। सत्य निष्ठा और निश्चल प्रवृत्ति का उदाहरण देते हुये कहा युद्ध के17 दिन बीत गये पराजय की स्थिति देख गुरु द्रोणाचार्य के कहने पर दुर्योधन धर्मराज युधिष्ठिर के पास अजेय होंने का उपाय पूंछते है, तो निश्चल भाव से युधिष्ठिर उनको अजेय होंने का मार्ग बताते है, तुम्हारे घर पर ही तुम्हारी माता गांधारी है जिन्होंने अपने

नेत्रों से अपने पति के अलावा किसी ओर को नहीं देखा उनके नेत्रों में वह शक्ति है कि वह तुम्हारे शरीर के जिस भाग को देख लेंगी तो वह भाग वज्र के समान अपराजेय हो जाऐगा, दुर्योधन धर्मराज युधिष्ठिर की बात पर विश्वास करके सूर्योदय के पूर्व नग्न अवस्था में माता गांधारी के महल की ओर जा रहे थे कि रास्ते में श्रीकृष्ण मिल जाते है और उससे कहते है कि अल सुबह नंगे होकर कंहा जा रहे हो ?और वह अग्रभाग को पत्ते से ढंकवा देते है और पुत्र के आते ही माता गांधारी आंखों से पट्टी हटा लेती है दुर्योधन का पूरा शरीर अग्रभाग को छोड़कर वज्रमय हो जाता है, कथा का अंत सभी को मालुम है, मेरा उद्देश्य कथा सुनाने का नहीं वल्कि धर्मराज युधिष्ठिर की सत्यवादिता और निश्चलता का है। घटिया शब्दों के चयन से माहोल भी घटिया हो जाता है, कुछ लोग कहते है कि सच कड़वा होता है सच कभी कड़वा नहीं होता आपके कहने का तरीका गलत हो सकता है।नम्रता और सम्भाषण से आपका व्यव्हार झलकता है विनम्रता और बाणी की मधुरता ही मनुष्य की शोभा है शव्द तो वही है लेकिन यदि आपके कहने का लहजा गलत है, तो वह बुरा लगता है एक मां जब अपने बच्चे को डांटती हुई गधा कह देती है तो बच्चे को बुरा नहीं लगता क्यों कि डांट के पीछे भी माधुर्य छिपा है वंही यदि कोई दूसरा कहे तो ? मुनि श्री ने कहा कि जो बचन मन को संताप उत्पन्न करे वह असत्य की कोटी में ही आते है, इसलिये हमेशा हित मित प्रिय बचनों का ही प्रयोग करो, जो आदमी अपने ही बचनों से मुकर जाता है वह भरोसे के काबिल नहीं होता।इस अवसर पर समादर सागर जी महाराज का उदवोधन हुआ। दयोदय महासंघ तथा धर्मप्रभावना समिति इंदौर के प्रवक्ता अविनाश जैन मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने बताया श्रावक संस्कार शिविर का शुभारंभ प्रात: 5 बजे मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज के मुखारविंद से भावनायोग, एवं भगवान की शांतीधारा से हुई तत्पश्चात नित्यनियम पूजन एवं दशलक्षण विधान तथा पर्व पूजन संपन्न हुई। दौपहर में तत्वार्थसूत्र का बाचन एवं मुनि श्री के द्वारा स्वाध्याय कराया गया सांयकाल6 बजे शंकासमाधान एवं आरती के पश्चात समापन हुआ।इस अवसर पर धर्मप्रभावना समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का सत्कार किया श्रावक संस्कार शिविर में सभी शिवरार्थिओं को शुद्ध एवं सोला का मर्यादित भोजन कराया जा रहा है जिसका संचालन पीयूष जैन जयपुर कर रहे है। -**अविनाश जैन**

मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज ने कहा- सत्य पर समस्त तप निर्भर, जिससे ही पवित्र होती वाणी

जैन मंदिरों में धार्मिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन

बच्चों द्वारा मंदिरों में लगाई जा रही आकर्षक झांकी

ललितपुर (विश्व परिवार)। सत्य ही जीवन का यथार्थ है जिस पल तुम अपने इस सत्य को जान लोगे तो तुम्हारा सारा भय समाप्त हो जाएगा। सत्य को जानते हुए भी असत्य में जीते हैं। यदि जीते जी तुमने सत्य को जान लिया कि यह शरीर भी मेरा नहीं।

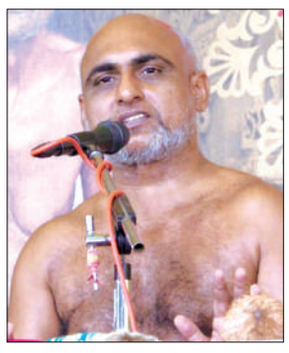

जो इस सत्य को जान लेते हैं, वह ही सत्य को जी पाते हैं। सत्य को जो ध्याता है वही सत्य को पा सकता है। उक्त विचार अभिनंदनोदय तीर्थक्षेत्र में आचार्य श्रेष्ठ 108 विद्यासागर महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि अविचल सागर महाराज ने पर्यूषण पर्व में सत्य धर्म पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा नम्रता और प्रिय वचन मनुष्य के आभूषण हैं।जिनके हृदय में सत्य का वास है उसके हृदय में परमात्मा का वास रहता है। सत्य को सहन करना बहुत कठिन है।सत्य को समझने की जरूरत है। सत्य की उपासना कर असत्य को त्यागना ही सत्य बताया।धर्म सभा के प्रारम्भ में तत्वार्थसूत्र का वाचन नरेन्द्र जैन राजश्री द्वारा किया गया जबकि अर्घ श्रीमति सुलोचना पदनचंद्र जैन बानपुर परिवार द्वारा समर्पित किए गए।

जैन धर्नानुलंबियों के पयूर्षण पर्व नगर में मुनिश्री के पावन सानिध्य में शुरू हो गए है।प्रात:काल जैन मंदिरों में पूजन अर्चन, विधान और श्रीजी के अभिषेक, शान्तिधारा कर श्रावक पुण्यार्जन कर रहे है। नगर के जैन अटामंदिर, नया मंदिर, बड़ा मंदिर बाहुवलि नगर, नईबस्ती आदिनाथ मंदिर, चन्दप्रभु मंदिर डोंडाघाट, शान्तिनाथ मंदिर गांधीनगर, इलाइट जैन मंदिर, आदिनाथ मंदिर सिविल लाइन, पार्श्‌वनाथ कालोनी, ज्ञानोदय कालोनी जैन मंदिर में इन दिनों धर्म की अपूर्व धर्मप्रभावना हो रही है। जहां श्रावक पहुंचकर पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ ले रहे हैं। पार्श्‌वनाथ जैन अटमंदिर में तत्त्वार्थसूत्र का वाचन अंकिता जैन बबीना द्वारा किया गया। इसके उपरान्त सांगानेर जयपुर के विद्वान पं0 पंकज जैन शास्त्री ने कहा नीतिकारों ने सत्य को धर्म का आभूषण बताया। सत्य से वाणी पवित्र होती है। सत्य पर सारे तप निर्भर हैं, जिन्होंने सत्य का पालन किया यह इस संसार से पार हो गए। सत्य ही संसार में श्रेष्ठ है।

दिगम्बर जैन आदिनाथ मंदिर सिविल लाइन ने ब्रहमचारिणी सीमा दीदी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा सत्य में जीने वाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता वह जब सत्य को प्राप्त कर लेता है तो सब कुछ पा लेता है। सायंकाल आरती के उपरान्त जैन अटामंदिर में भक्ति और भाग्य विषयक व्याख्यान प्रतियोगिता अंशिका जैन गुगरवारा के संयोजन में हुई जिसमें विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत किए गए।

नगर के मंदिरों के परिसर में बच्चों द्वारा सम्मेद शिखर रचना, भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को दर्शाती हुई धार्मिक झांकियां लगाई गई जिनको देखकर श्रावक उन्हें प्रोत्साहित कर रहे है। इन दिनों मंदिरों में धर्म की अपूर्व प्रभावना में सम्मलित होकर श्रावक पुण्यार्जन कर रहे हैं।

दिगम्बर जैन समाज के पवित्र पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व का पांचवा दिवस उत्तम सत्य धर्म उल्लासपूर्वक मनाया गया

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन समाज का पवित्र पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व का पांचवा दिन उत्तम सत्य धर्म है। सत्य बोलने वाला जग में हमेशा सुखी रहता है, झूठ बोलने वाले की पोल खुलने पर जग में वह हंसी का पात्र बनता है एवं कर्म बंद करके अपनी गति खराब करता है। राजा बसु एक झूठ के कारण नरक में पहुंच गया था। उक्त बातें कहते हुए पर्युषण पर्व के पांचवें दिन के प्रवचन में चर्या श्री माताजी ने बताया कि सत्य ही धर्म है।सत्य का अर्थ है जैसा देखा जैसा सुना वैसा कहना ही सत्य है बात को इधर-उधर लगाकर दूसरी रूप बनाकर बोलना झूठ होता है, झूठ बोलने वाला भी कभी सुखी नहीं रहता उसे अनेक कष्टों का सामना करना पड़ता है। झूठे वचनों का त्याग

करना और आत्मा में सत्य आचरण लाना सत्य धर्म है जो वस्तु जैसी है उसे वैसा ही मानना सत्य है।सत्य के विपरीत मिथ्यात्व ही संसार में भ्रमण का कारण है इसलिए हमें सत्य धर्म को स्वीकार करना चाहिए।यही लक्षण हमें मोक्ष की ओर ले जाते हैं।

आज सत्य धर्म के दिन शांतिधारा करने का सौभाग्य हंसराज, रवि, रमेश रावका परिवार एवं राजेश कुमार, रविंद्र कुमार, राहुल, रितेश, ऋतिक सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। शांतिनाथ जिनालय में राकेश चौधरी, सत्यम, शुभम चौधरी एवं रूपचंद आकाश कुमार, विकास कुमार परिवार को अवसर मिला।पारसनाथ जिनालय में अनिल, अंकित, अनुज चौधरी और संजय पाटनी को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

रात्रि में त्रिशला महिला मंडल की अनिता सिंघई एवं बबीता चौधरी के द्वारा प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 24 तीर्थंकरों के बारे में उपस्थित जनों से प्रश्न पूछे गए। सागर म. प्र. से पहुंचे योगेश भैया के द्वारा पर्युषण पर्व में समस्त कार्यक्रम सानंद व सफलता पूर्वक संपन्न कराए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत वैराग्य प्रसंग प्रश्नोत्तर कार्यक्रम सम्पन्न

जबलपुर (विश्व परिवार)। जबलपुर सोशल ग्रुप जबलपुर नगर द्वारा पर्युषण पर्व के अवसर पर संस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत अग्रवाल कॉलोनी, जैन मंदिर में वैराग्य प्रसंग प्रशनोत्तर कार्यक्रम बहुत ही रुचिपूर्ण तरीक़े से प्रस्तुत किया गया ग्रुप की महिला मंडल की सम्मानीय सदस्या श्रीमती ज्योति अतुल मोदी द्वारा तीर्थंकरों एवं मुनिराजों के वैराग्य क्षणों का कहानी के रुप में सजीव वर्णन करने के उपरांत दर्शकों से नाम पूछा तो दर्शकों ने भी बहुत उत्साह से उत्तर दिये। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों सबसे प्रश्न पूछे गये। सभी ने पूरी एकाग्रता के साथ सुनकर उमंगपूर्वक उत्तर दिये, कार्यक्रम में रेणुका, आभा, सपना, अनुपमा आदि ने पूर्ण सहयोग दिया। अग्रवाल कॉलोनी समाज से प्रबुद्ध जन तथा अपने सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मंगलाचरण उपरांत जैन मिलन अग्रवाल कॉलोनी, महिला मंडल, महिला परिषद व जय जिनेंद्र महिला सोशल ग्रुप के पदाधिकारियों का स्वागत किया, कार्यक्रम प्रायोजक चक्रेश ऋतु मोदी जी का स्वागत किया गया, संयोजक अरविंद आभा व पराग सपना प्रदीप कुमुद बेटिया, सुधीर संगीता, लक्ष्मी, प्रफुल्ल रीता, अखिलेश अंजू एवं राविज रितु अनुपमा अजय जी नेअपना सराहनीय योगदान देते हुए कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराया। अग्रवाल कॉलोनी समाज के सांस्कृतिक सचिव आकाश ने मंच संचालन में सहयोग दिया।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस: मुख्यमंत्री साय 13 सितम्बर को करेंगे कानून व्यवस्था की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 13 सितम्बर को राजधानी रायपुर में कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के साथ जिलों में कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा करेंगे। राजधानी रायपुर में आयोजित कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस स्थानीय न्यू सर्किट हाउस में प्रात: 10 बजे से शुरू होगी।

जेसीआई रायपुर यूथ कैपिटल द्वारा यूथ फेस्ट 2024 मनाया जा रहा है, जिसे जेसीआई की दिवाली भी कहा जाता है

आयोजित फेस्ट 9 सितंबर से प्रारंभ होकर समाप्ति 15 सितंबर 2024 को होगा

रायपुर (विश्व परिवार)। इसमें जेसीआई यूथ के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और निम्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसकी शुरुआत ई पी एस (इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग) से हुई जो की 9 व 10 सितंबर को शहर के विभिन्न कॉलेज कैंपस में आयोजित किया गया जिसमें युथ के लगभग 15 से 20 सदस्यों ने हिस्सा लिया जिसके प्रोग्राम डायरेक्टर जे सी नैंसी बरडिया, जे सी अमित कुकरेजा एवं जे सी पारस अग्रवाल है। जिसमें जेसीआई के नेशनल एवं जोन ट्रेनर द्वारा शानदार ट्रेनिंग दी गई।

इसमें ट्रेनर द्वारा हर कॉलेज के 5 से 6 स्टूडेंट्स को बेस्ट पार्टिसिपेट अवार्ड भी दिया गया। इसमें लगभग पांच कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी को कवर किया गया जिनके नाम इस प्रकार है ढ्ढह्लढ्ढस्नष्ठ कॉलेज, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैथ्स यूनिवर्सिटी, एवं राधा बाई शासकीय गर्ल्स कॉलेज। इसमें कॉलेज के स्टूडेंट ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया लगभग 450 स्टूडेंट ने ट्रेनिंग ली एवं अपने आप को मोटीवेट एवं एक काबिल वक्ता बनाने की पूरी कोशिश की। इसी कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए इन्हीं कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी के 3-3 स्टूडेंट्स को हमने सेलेक्ट किया है जिनके बीच वाद विवाद प्रतियोगिता 3.0 (11/09/2024) वृन्दावन हॉल सिविल लाइन में संपन्न होने जा रहा है। इस कार्यक्रम की प्रोग्राम डायरेक्टर जे सी आस्था यादव है। इस वाद विवाद प्रतियोगिता 3.0 की विजेता परिधि मरोठी एवं प्रफुलदेव साहू रहे। इसी के साथ 13/09/2024 को यूथ कैपिटल की टीम, रायपुर लेवल फुटबॉल चैंपियनशिप करने जा रहे है जो अपने आप मे रोमांच से भरा होगा। इस प्रोजेक्ट के डायरेक्टर जे सी माधव राठौड़ एवं जे सी प्रशांत जैन है। तत्पश्यात 14/09/2024 को इन्वेस्टमेंट अवरेन्वस के ऊपर ट्रेनिंग दी जा रही है जो कि विप्र कॉलेज-के स्टूडेंट के लिए नॉलेज के साथ साथ पैसो की बचत कैसे करना है इस विषय पे रहेंगी। इसके प्रोग्राम डायरेक्टर जे सी नीरज डागा है।

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पंडरिया व पांडातराई को मिली 5.40 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

भाजपा सरकार की प्राथमिकता जनसुविधाओं का विस्तार और प्रदेश का विकास है : भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद से प्रदेश में विकास कार्य तेजी से हो रहें हैं। इसी कड़ी में पंडरिया और पांडातराई शहर के सौन्दर्यीकरण एवं वहां मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु वर्षों से चल रही मांग आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पूरी हो रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर पालिका परिषद् पंडरिया एवं नगर पंचायत पांडातराई के सौन्दर्यीकरण, मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना विकास हेतु 5 करोड़ 40 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इसमें नगर पालिका परिसद पंडरिया के सौन्दर्यीकरण, अधोसंरचना, मूलभूत व आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु 3 करोड़ रुपए एवं नगर पंचायत पांडातराई हेतु 2 करोड़ 40 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

विदित हो की पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा उप मुख्यमंत्री अरुण साव को पत्र के माध्यम से पंडरिया एवं पांडातराई शहर के विकास व सौन्दर्यीकरण, स्वच्छता, जनता की मूलभूत सुविधाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया था। उनके प्रस्ताव और जनता के हित को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आज 5 करोड़ 40 लाख रुपए की राशि को पंडरिया एवं पांडातराई क्षेत्र के विकास हेतु स्वीकृति दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत विकास कार्यों के लिए राशि की स्वीकृति दी गई है जिसके लिए भावना बोहरा ने पूरे पंडरिया विधानसभा की जनता की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह हम सभी के लिए अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि विगत पांच वर्षों में कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त होकर प्रदेश की जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास जताया वह विश्वास अब क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के रूप में जन-जन तक पहुँच रहा है।

पर्यूषण पर्व का पांचवा दिवस उल्लास पूर्वक मनाया गया

जबलपुर (विश्व परिवार)। आज पर्व का पंचम दिन है। संगम कॉलोनी में निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी ने बताया की कैसे आचार्यों ने धर्म की परिभाषा कई प्रकार से की है। रत्नत्रय को भी धर्म कहा है, कहीं 'अहिंसा परमो धर्म:' और कहीं 'वत्थु सहावी धम्मो'। आज हम सत्य के बारे में कुछ खोज करें। सत्य का मतलब वह जो सन्तोष दिलावे। सत्य के सन्निकट जाने वाला व्यक्ति उस प्रकार अनुभव करे, जिस प्रकार प्यासा व्यक्ति पानी का स्थान जानकर अनुभव करता है। यद्यपि पानी की प्राप्ति हुई नहीं है, पर वह यह अनुभव कर लेता है कि अब प्यास ज्यादा देर तक नहीं रहेगी। सत्य जहाँ है, वहाँ आनन्द के अनुभव का पार नहीं है, सभी चिन्ताएँ आकुलताएँ समाप्त हो जाती हैं। हम सुखेच्छु हैं और चाहते हैं कि दुख का अभाव हो। साधक को सत्य के बारे में मालूम हो जाता है तो वह अपने आपको धन्य समझने लगता है। जहाँ सत् है वहीं सत्य है। जहाँ सत्य है, वहाँ सभी सुख विद्यमान हैं। जहाँ सुख है, वहीं पर सत्य है। रात दिन पल-पल सत्य का अवलोकन करने वाले योगी राज होते हैं। सत्य इस मनुष्य का केन्द्र बनना चाहिए।

पंखे पर किनारे में रखी वस्तु इधर उधर गिर जाएगी और केन्द्र में (बीच में) रखी स्थिर रहेगी। सत्य तीन भागों में विभक्त है उत्पाद, व्यय, श्रीव्य के रूप में 'उत्पादव्ययश्रीव्ययुक्सत। तीनों मिलकर सत् है। आप चाहते हैं वर्तमान काल बना रहे, यह तीन काल में नहीं हो सकता। आप के पास दस लाख रुपया है आप उसको स्थिर रखना चाहते हैं, मुनि श्री 108 पद्म सागर जी ने प्रवचन में बताया कि मनुष्य पर्याय बुलबुले के समान है, योगी उसके साथ-साथ मिटने का भी आनन्द लेते हैं। सत्य उत्पाद में भी है, व्यय में भी है और श्रौव्य में भी है। पर्याय में सुख नहीं है। पर्याय में जो उत्पत्ति हो रही है, उसमें सुख का अनुभव हो रहा है। प्राय: पुण्य का उदय आने पर मुख कमल खिल जाता है, जब असाता का उदय आता है, तब जैसे सूर्य का उदय न होने पर कमल मुरझा जाता है इसी प्रकार मुख मुरझा जाता है। दरिद्र हो जाता है। सत्य को अगर भूल जाओगे और मात्र उत्पाद या व्यय या श्रौव्य को पकड़ लोगे तो दुख का अनुभव करोगे। उषा काल के पीछे अंधेरी शाम भी आएगी। उषा बेला स्थिर नहीं रहेगी। सत्य रूप पर्याय जो उत्पन्न हुई है, वह सत् नहीं है ऐसा समझकर सुख मनायें। क्योंकि उत्पाद हुआ वह अपने समय पर ही व्यय होगा, समय पर ही श्रौव्य होगा, उसकी सुरक्षा उस द्रव्य के पास है। पर्याय को लेकर भटकना, भूलना, हर्ष विषाद का अनुभव करना सत् से दूर होना है। हर्ष-विषाद जहाँ है, वहाँ सत् नहीं है। सत् की पूजा करते हुए भी मांग करना, अपने को पीड़ित या दुखी समझना है।

जैन मिलन राघौगढ़ द्वारा 25वां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। जैन समाज के दस लक्षण पर्व के पावन अवसर पर जैन मिलन राघौगढ़ द्वारा जैन समाज के प्रतिभावान छात्रों का छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन, विशेष अतिथि पंडित संजय शास्त्री बजरंगगढ़ गुना, भारतीय जैन मिलन के क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जैन समाज राघौगढ़ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक भारिल्य, सिंघई ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉक्टर लेसांशु जैन थे। अध्यक्षता जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीत में मंगलाचरण से हुआ। मुख्य अतिथि विजय कुमार जैन ने अपने संबोधन में जानकारी दी राघौगढ़ में सन 1990 में सेवानिवृत शिक्षक सिंघई नेमीचंद जैन ने पारमार्थिक ट्रस्ट का गठन किया। इस ट्रस्ट के माध्यम से विशेष रूप से विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान किया जाता है यह प्रतिभा सम्मान समारोह सिंघई नेमीचंद जैन परमार्थिक ट्रस्ट के सहयोग से स्वर्गीय डॉक्टर विनोद कुमार जैन की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया है। शाखा मंत्री विकास कुमार जैन ने जैन मिलन राघौगढ़ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया जैन मिलन राघौगढ़ द्वारा इस वर्ष दो वाटर कूलर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं संत सुधा सागर धाम पर आम जनता को शीतल जल उपलब्ध कराने लगाए गए हैं। जुलाई माह में संत सुधा सागर धाम पर पर्यावरण की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण किया गया। बरसात के मौसम में पक्षियों को आहार के लिए धन राशि एकत्रित कर जुलाई एवं अगस्त माह में मंदिर की छत पर पक्षियों को दाना डाला गया।

आपने बताया प्रतिभा सम्मान समारोह में राघौगढ़ नगर सहित, साडा कॉलोनी एवं जयप्रकाश विश्वविद्यालय के प्रतिभावान कुल 55 छात्र-छात्राओं को सिंघई नेमीचंद जैन ट्रस्ट की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जैन मिलन के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, कार्यक्रम संयोजक रुपेश चौधरी, युवा जैन मिलन के अध्यक्ष आकाश जैन, उपाध्यक्ष राजा चौधरी, मंत्री मनीष जैन आमल्या, कोषाध्यक्ष संजय जैन रेशू, कार्यक्रम सह संयोजक रविंद्र जैन शिक्षक, राजीव जैन शिक्षक, हर्ष जैन, जैन मिलन के वरिष्ठ सदस्य अनिल कुमार भारिल्य, विनय कुमार आकाश बिल्डिंग, पूर्व अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ठेकेदार, संजीव कुमार जैन पूर्व पार्षद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य सुभाष चंद्र चौधरी, प्रमोद कुमार चौधरी महिला जैन मिलन की उपाध्यक्ष सुनीता जैन आमल्या, वरिष्ठ सदस्य अनीता जैन, विजय देवी जैन कुशल जैन आदि उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 13 सितंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

जल जीवन मिशन के तहत कुआकोंडा में हुई आवश्यक बैठक

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के तहत विकासखण्ड कुआकोंडा में विगत दिवस आवष्यक बैठक रखी गयी थी। इस बैठक में जिले के आईएसए समन्वयक जल जीवन मिशन द्वारा आंगनबाड़ियों और स्कूलों में डायरिया से बचाव और जल संरक्षण कार्यक्रम वृक्षारोपण, जल संरक्षण के महत्व, जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत संचालन एवं रखरखाव संबंधी विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य योजना के कुशल संचालन एवं सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करना तथा योजना के निरंतरता को बनाए रखना था। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत समन्वयक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से जल संरक्षण अभियान, जल संरक्षण के महत्व, डायरिया कैंपेन' अंतर्गत बरसात में होने वाली मौसमी बीमारी डायरिया से बचाव, जल जीवन मिशन के शुद्ध गुणवत्ता पेयजल के उपयोगिता, आंगनबाड़ियों में पोषण माह अंतर्गत बच्चों और माताओं को पोषित आहार के साथ जल जीवन मिशन का गुणवत्तायुक्त पानी दिये जाने, जल जीवन मिशन के पेयजल की गुण, उपयोगिता, और महत्व को बताया गया।

बैंक सखी दशोमती कर रही ग्रामीणों की मदद

जगदलपुर(विश्व परिवार)। जिले के लोहान्डीगुड़ा ब्लॉक के धुरागांव की रहने वाली दशोमती कश्यप 2017 में गायत्री महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। दशोमती का समूह से जुड़ने का उद्धेश्य छोटी-छोटी बचत को जोड़कर कुछ बड़ा करने की थी। स्नातक की पढ़ाई कर चुकी दशोमती के पति पुलिस विभाग में कार्यरत हैं जो हमेशा दशोमती का मनोबल बढ़ाते हैं और उनके निर्णय का साथ देते हैं। दशोमती ने बताया समूह के माध्यम से बिहान के संपर्क में आने के बाद मुझे बीसी सखी योजना की जानकारी हुई जिससे मुझे लगा कि यह एक ऐसा कार्य है जिसमें मैं ग्रामीण एवं बुजुर्गों को बैंकिंग की सेवाएं देकर उन्हें सहयोग और सुविधा प्रदान कर सकती हूं। साथ ही अपनी भी कुछ अतिरिक्त आय कर सकती हूं। इसलिए जनवरी 2018 में वह छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की बीसी सखी बन गयीं जिसमें उसे लोहण्डीगुड़ा क्षेत्र के चार ग्राम पंचायतों उसरीबेड़ा, धुरागांव, छिंदगांव एवं कोड़ेबेड़ा में बीसी सखी की सेवाएं देने का दायित्व सौंपा गया। दशोमती बताती हैं कि उन्होंने बैंकिंग किस्योस्क के माध्यम से ग्रामीणों को खाता खोलने, पैसा जमा करने एवं निकासी, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजनाओं का लाभ पहुँचाया और विगत 5 वर्षों में वह 5 करोड़ रूपये से ज्यादा के लेनदेन कर चुकी हैं और करीब 20 हजार से ज्यादा ट्रांजेक्शन कर चुकी हैं जिससे लगभग 10 हजार मनरेगा श्रमिकों और 5 हजार से ज्यादा पेंशन हितग्राही लाभार्थी हुए हैं। दशोमती सीएससी का भी कार्य करती हैं जिसमें उन्होंने 2000 आयुष्मान कार्ड, 1000 ई-श्रम कार्ड, 30 पेन कार्ड इत्यादि बनाये हैं साथ ही बिजली बिल का भुगतान भी करती हैं।

ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े पांच करोड़ की लूट

बलरामपुर(विश्व परिवार)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में बुधवार को दिनदहाड़े 5 करोड़ रुपये की लूट की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। तीन लुटेरों ने ज्वेलरी शॉप में घुसकर संचालक पर कट्टे की बट से हमला किया और गोली मारने की धमकी देकर 8 किलो सोना लूट लिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, रामानुजगंज के नगर पालिका चौक स्थित राजेश ज्वेलर्स में दोपहर 1:30 बजे बाइक सवार तीन युवक घुसे। उन्होंने कट्टा निकालकर संचालक राजेश सोनी और कर्मचारियों को कब्जे में लिया। बदमाशों ने कट्टे की बट से राजेश पर हमला किया और दुकान के लॉकर में रखा सोना बैग में भरकर फरार हो गए। लुटेरों ने 15 मिनट के भीतर पूरी घटना को अंजाम दिया और भागने के लिए अपनी बाइक मोची की दुकान के सामने खड़ी की थी। लूट के बाद संचालक और कर्मचारियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

दिव्यांगजन के लिए नि:शुल्क बस का हुआ शुभारंभ

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के प्रयासों से सीआरसी राजनांदगांव में दिव्यांगजन एवं उनके अभिभावकों के लिए सभी प्रकार थेरेप्यूटिक सर्विस प्राप्त करने हेतु नि:शुल्क बस (दिव्य रथ) की सुविधा प्रारंभ की गई हैं। दिव्य रथ बस राजनांदगांव के सभी दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु नि:शुल्क संचालित किया जाएगा। यह बस प्रतिदिन सीआरसी सेंटर से पेंड्री-सोमनी और सीआरसी सेंटर तक निर्धारित समय-सारणी अनुसार संचालित होगी। नि:शुल्क बस (दिव्य रथ) सुविधा से सभी दिव्यांगजन एवं उनके अभिभावकों, सीआरसी के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सुविधा मिलेगी।

राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गिरिधारी नायक ने की लंबित प्रकरणों की समीक्षा

कहा- महिला सुरक्षा, बाल अधिकार व वरिष्ठ नागरिकों के संबधित मामलों को प्राथमिकता से करें निराकृत

कांकेर(विश्व परिवार)। राज्य मानवाधिकार आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष गिरिधारी नायक ने आज जिले के प्रवास के दौरान जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा एवं उनके अधिकार तथा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार से संबंधित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी कलेक्टर निलेश महादेव क्षीरसागर और एसएसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला व अन्य जिला स्तर के अधिकारियों से प्रकरणवार ली। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज सुबह 11.00 बजे आयोजित बैठक में आयोग के अध्यक्ष द्वारा पूछे जाने पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि जिले के सभी आश्रम-छात्रावासों में वहां निवासरत विद्यार्थियों की निर्धारित संख्यानुसार शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था है तथा पेयजल की उपलब्धता है। कलेक्टर ने बताया कि कुछ छात्रावासों में पुराने हो चुके शौचालयों की सूची मंगाकर वहां नए शौचालय निर्माण कार्य की स्वीकृति विभागीय व जिला न्यास निधि मद से प्रदाय की गई है। छात्रावासों में अहाता की उपलब्धता पर सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले के सभी कन्या छात्रावास अहातायुक्त हैं। आयोग के अध्यक्ष ने बालक छात्रावासों में अहाता निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश सहायक आयुक्त को दिए। इसी प्रकार पेंशन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि पेंशन के पुराने प्रकरण लंबित नहीं हैं तथा वर्तमान में 36 लंबित प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही हेतु संभागीय कार्यालय को नस्ती प्रेषित की गई है। उप संचालक समाज कल्याण ने जिले में संचालित वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं एवं वृद्धजनों को दी जाने वाली पेंशन की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जिला अस्पताल में सेवा देने वाली महिला चिकित्सकों व कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली तथा सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम को दिए। इसी तरह जिले में डॉग बाइट के मामलों पर संज्ञान लेते हुए आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि जिले में 2996 डॉग बाइट के प्रकरण सामने आए हैं जिनमें से सर्वाधिक मामले कोयलीबेड़ा क्षेत्र से हैं।

सहकार की भावना के प्रतिमान भगवान गणेश चतुर्थी व्रत का पर्व हम सबके लिए मंगल कामना का पर्व है - रंजना साहू

धमतरी(विश्व परिवार)। आकाश गंगा कॉलोनी में विराजमान प्रथम पुज्य भगवान श्री गणेश जी की संध्या आरती में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने प्रथम पुज्य भगवान श्री गणेश जी की पूजा अर्चना में शामिल होकर समस्त क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना किए एवं सभी को गणेश चतुर्थी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणेशोत्सव पर्व भारत की संस्कृति समृद्धि के प्रतीक पर्व, सामाजिक समरसता के संदेशवाहक उत्सव एकात्मता, बंधुत्व, सहकार की भावना के प्रतिमान भगवान श्री गणेश चतुर्थी व्रत का पर्व हम सबके लिए मंगल कामना का पर्व है, हमारे भारत कि स्वतंत्रता पूर्व से चली आ डुरही यह अद्भुत परंपरा इतिहास में एकता की मिसाल है। आजादी के समय भारतीयों में एकता के भाव जागृत करने के लिए महान् क्रान्तिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी ने गणेश उत्सव पर्व की शुरुआत की। हमारे पूरे भारत देश में भगवान गणेश की आराधना का यह पर्व धूमधाम से आस्था और उत्साह के साथ मनाते हैं, यह सनातन परंपरा व संस्कृति को अब विदेशों में भी दिखाई दे रही है, समृद्धि और सौभाग्य के देवता कष्ट विनाशक विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश आप सभी के जीवन को हर्षोल्लास और खुशियों से पूर्ण करें तथा देश और समाज की सेवा के लिये सभी को अधिक शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करें यही कामना है। साथ ही पूर्व विधायक रंजना साहू ने छत्तीसगढ़ राज्य के महामहिम राज्यपाल से शिक्षक सम्मान से पुरुस्कृत डॉ आशीष नायक का साल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किए। गणेशोत्सव पर नन्हे मुन्ने बालकलाकारों की सुंदर वेशभूषा ने सभी का मनमोहा एवं प्रतिदिन गणेश पंडाल में रंगोली प्रतियोगिता, थाली सजाओ , फैंसी ड्रेस, बच्चों का डांस, भजन, कुर्सी दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर आकाश गंगा कालोनी में विराजमान भगवान श्री गणेश जी की पूजा अर्चना करने डॉ आशीष नायक, प्रकाश पाण्डेय, गजेंद्र अग्रवाल, डॉ मयंक पटेल, विजय पदमवार वेद प्रकाश भेसले ,नोकुराम सिन्हा, जीडी सिन्हा, देव यादव, आई के साहू ,मनोज साहू ,नेक राम साहू , डी आर जाचक, ललित चांडक, रेवेंद्र कश्यप, लक्षणा चंदनिहा, उर्वशी बरैहा, सुनीता वाधवानी, झंकार शर्मा, अमित साहू, देवेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित रहे।

छोटे पुल का खामियाजा भुगत रहे सिब्दी भारदाकला मार्ग के लोग

सिब्दी भारदाकला के बीच नाले में बने पुल के ऊपर जल्दी चढ़ जाता है पानी

बालोद(विश्व परिवार)। बालोद जिले के गुंडरदेही ब्लाक के भरदा कला से सिब्दी जेवरतला मार्ग पर सिब्दी के पास स्थित नाला में बना पुल बहुत नीचा है। सोमवार को हुई बारिश से इस नाला मे लगभग 3 से भी अधिक पानी चल रहा है। इससे लोग जान जोखिम मे डाल कर आना जाना कर रहे हैं। अभी अभी तीजा पोला का त्योहार हुआ तिजहारीन मायके से ससुराल जाने लगी है। बाढ़ के कारण इस नाला से गुजरना मुश्किल हो रहा है। सिब्दी भरदाकला के बीच नाला मे पुल के उपर लगभग 3 फ्रि से भी अधिक होने से आस पास आने जाने वालो की संपर्क टूटा। इस पुल से लोगो का दुर्ग भिलाई राजनादगांव, अर्जुन्दा गुंडरदेही, देवरी, जेवरतला, आने जाने वालो का संपर्क टूट गया है। कई लोग तो अपनी जान जोखिम डाल कर नाला पार कर रहे हैं। इस नाला में बहुत पहले छोटा पुल बना है इससे बड़ी गाड़ी को आने जाने तथा ज्यादा उचाई होने के कारण गाड़ी चढ़ नही पाता और गाड़ी पुल के नीचे गिर जाती है। लोगो की कहना है कि इस वर्ष तीन चार बार गन्ना से भरी टेक्टर, आयरन से भरी बडी गाड़ी, तथा चार पहिया गाड़ी भी इस नाला का शिकार बन गई है। यह नाला इतना खतरनाक है कि धान खरीदी के समय किसी भार वाहक वाहन के लिए खतरे से कम नही है। इस तरह की तकलीफ को देखते हुए क्षेत्र के पूर्व जनपद सदस्य विजय पाल बेलचंदन, क्रांति भूषण साहू ने भी कई बार बड़े नेताओं से संपर्क साधा लेकिन पुल नही बन पाया।

मध्यान्ह भोजन में लापरवाही बरतने के कारण जय माँ दुर्गा स्वसहायता समूह पर एफ.आई.आर दर्ज

प्राथमिक शाला पीपलखुंटा के प्रधानपाठक संतोष कुमार जगत निलंबित

गरियाबंद(विश्व परिवार)। मैनपुर विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला पीपलखुंटा एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पीपलखुंटा में शासन के द्वारा संचालित मध्यान्ह भोजन योजना में शाला में अध्ययनरत बच्चो द्वारा 4 सितम्बर को मध्यान्ह भोजन खाने के उपरांत बच्चों के अस्वस्थ होने की जानकारी मिलने पर कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को जांच कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ए.के.सारस्वत ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शासकीय प्राथमिक शाला पीपलखुंटा एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पीपलखुंटा के बच्चों द्वारा मध्यान्ह भोजन में ग्रहण उपरांत अस्वस्थ होने संबंधी जांच प्रतिवेदन में पुष्टि पाई गई।जिसके आधार पर प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला पीपलखुंटा के मध्यान्ह भोजन संचालनकर्ता समूह पर कठोर कार्यवाही करते हुए जय माँ दुर्गा स्व सहायता समूह पीपलखुंटा को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग ना रहने तथा मध्यान्ह भोजन बनाने में लापरवाही बरतने के कारण इन पर एफ्आईआर दर्ज कराने की कार्यवाही की गई तथा संबंधित समूह को तत्काल प्रभाव से मध्यान्ह भोजन संचालन कार्य से पृथक किया गया है।साथ ही प्राथमिक शाला पीपलखुंटा के प्रधानपाठक संतोष कुमार जगत को निलंबित किया गया। तथा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पीपलखुंटा के प्रभारी प्रधानपाठक(शिक्षक एल.बी.) लैबानो राम खरसैल के निलंबन के लिए प्रस्ताव संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रायपुर को प्रेषित की गई।

प्रभारी सचिव भीम सिंह ने मक्का प्रसंस्करण एथेनॉल प्लांट का किया निरीक्षण

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। जिले के प्रभारी सचिव भीम सिंह ने मंगलवार को कोकोड़ी स्थित मां दंतेश्वरी मक्का प्रसंस्करण एथेनॉल प्लांट का भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली और उसकी क्षमता की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्लांट के विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर वहां की तकनीकी प्रक्रियाओं को समझा। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्लांट के बचे हुए कार्यों को शीघ्र पूरा कर लिया जाए ताकि यह जल्द ही पूरी तरह से कार्यरत हो सके। प्रभारी सचिव श्री सिंह ने कहा कि यह प्लांट क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा और यहां के लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगा। प्रभारी सचिव श्री सिंह ने कोंडागांव मुख्यालय स्थित शिल्पनगरी का भी अवलोकन कर शिल्पियों से उनके शिल्पकलाओं के सम्बंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिल्पनगरी क्षेत्र की सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है जहां बेलमेटल और रॉट-आयरन से बनी कला कृतियों का निर्माण और विक्रय किया जाता है। प्रभारी सचिव श्री सिंह ने यहां शिल्पकलाओं के निर्माण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिल्पकारों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की गुणवत्ता की सराहना की और उनके विपणन के लिए और अधिक बेहतर अवसर पैदा करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित %एक पेड़ माँ के नाम% कार्यक्रम के तहत पौधरोपण भी किया। उन्होंने पौधरोपण कर जिले में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण प्रदान किया जा सकेगा।

पीएम-सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन पर बैठक में चर्चा हुई

जगदलपुर(विश्व परिवार)। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत् घटक मॉडल सोलर विलेज के क्रियान्वयन हेतु प्राप्त दिशा-निर्देश के अनुसार जिला स्तरीय समिति की बैठक में कलेक्टर विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। कैंडीडेट विलेज का चयन, (कैंडीडेट विलेज के चयन में सांसद, विधायक आदर्श ग्राम, अन्य आदर्श ग्राम, ग्राम पंचायत मुख्यालय को प्राथमिकता दी जा सकती है). कैंडीडेट विलेज के मध्य कॉम्पिटिशन तथा मॉडल विलेज का चयन प्रक्रिया पर चर्चा किया गया है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे, जनप्रतिनिधि, क्रेडा और विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। भारत सरकार ने सौर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और आवासीय घरों को अपनी बिजली पैदा करने के लिए सशक्त बनाने के लिए 29 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का परिव्यय 75,021 करोड़ रुपये है और इसे वित्त वर्ष 2026-27 तक लागू किया जाना है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 2 किलोवाट क्षमता तक की प्रणालियों के लिए सौर इकाई लागत का 60 प्रतिशत: और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के बीच की प्रणालियों के लिए अतिरिक्त प्रणाली लागत का 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है। सब्सिडी की सीमा 3 किलोवाट क्षमता तक सीमित रखी गई है। वर्तमान बेंचमार्क मूल्यों पर, इसका अर्थ होगा 1 किलोवाट प्रणाली के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60,000 रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक प्रणाली के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी है। इच्छुक उपभोक्ता को पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। यह राज्य और बिजली वितरण कंपनी का चयन करके किया जाना है। राष्ट्रीय पोर्टल उपयुक्त सिस्टम आकार, लाभ कैलकुलेटर, विक्रेता रेटिंग आदि जैसी प्रासंगिक जानकारी प्रदान करके परिवारों की सहायता करेगा। उपभोक्ता विक्रेता और रूफटॉप सोलर यूनिट का ब्रांड चुन सकते हैं जिसे वे स्थापित करना चाहते हैं।

व्यापार समाचार

वेंटिव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेंटिव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड (जिसे पहले आईसीसी रियल्टी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था), व्यवसाय और अवकाश क्षेत्रों में लक्जरी पेशकशों पर प्राथमिक ध्यान देने वाली एक हास्पिटालिटी परिसंपत्ति मालिक, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम में एक रुपये के अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है, जो कुल मिलाकर 2000 करोड़ तक है। कुल ऑफर साइज में एक रुपये के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कुल मिलाकर 2000 करोड़ रुपये तक हैं। वेंटिव हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड, जिसे पहले आईसीसी रियल्टी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, की स्थापना पुणे स्थित एक रियल एस्टेट समूह पंचशील रियल्टी के हास्पिटालिटी सेक्शन के रूप में की गई थी, जिसकी कमर्शियल, रिटेल, लक्जरी आवासीय और डेटा सेंटर सेगमेंट में उपस्थिति है।

एथर एनर्जी लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (EwW) बाजार में अग्रणी और एक शुद्ध इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी एथर एनर्जी लिमिटेड, जो अपने सभी उत्पादों को भारत में ही डिजाइन करती है, ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (ढ्ढक्क) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया है। कंपनी को तरुण मेहता, स्वप्निल जैन और हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड द्वारा प्रमोट किया गया है। बेंगलुरू में मुख्यालय वाली कंपनी के आईपीओ में 3,100 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 2,20,00,766 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

''बना रहे सड़कों को सुरक्षित: होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने भिलाई, छत्तीसगढ़ में सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान का आयोजन किया''

भिलाई: होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) प्रभावी सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियानों के द्वारा सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखे हुए है। हाल ही में भिलाई, छत्तीसगढ़ में आयोजित इसी तरह एक पहल में, एचएमएसआई ने एमजीएम पब्लिक स्कूल और शिवा पब्लिक स्कूल में 2200 से अधिक छात्रों और स्टाफ के सदस्यों को सड़क सुरक्षा के महत्व पर शिक्षित किया। भविष्य को आयाम देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, एचएमएसआई बच्चों और युवाओं में सड़क सुरक्षा की आदतों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। अपने रोचक एवं इंटैक्टिव प्रोग्रमों के माध्यम से कंपनी का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा सड़क के ज़िम्मेदाराना इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए इन अभियानों का आयोजन नियमित रूप से सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में किया जाता है। भिलाई सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा के बारे में प्रतिभागियों की सूझ-बूझ बढ़ाने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में सैद्धान्तिक सुरक्षित राइडिंग सैशन, खतरे के पूर्वानुमान के प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा क्विज़, हेलमेट जागरुकता प्रोग्राम एवं प्रेक्टिकल राइडिंग ट्रेनर सैशन शामिल थे। सड़क सुरक्षा शिक्षा को सूचनाप्रद एवं रोचक बनाने के लिए इनमें से हर गतिविधि का आयोजन किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस दौरान सीखा गया हर सबक प्रतिभागियों पर गहरी छाप छोड़े।

भारत में एपीआई-संचालित कम्प्लायन्स सिस्टम को बढ़ावा देते हुए टैली ने अगले 3 सालों में 30-40 फीसदी विकास का लक्ष्य रखा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़- तेज़ी से विकसित होते एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने के दृष्टिकोण के साथ टैली सोल्युशन्स ने आज अपनी कनेक्टेड सर्विसेज़ को और बेहतर बनाते हुए नए TallyPrime 5.0 का लॉन्च किया। बिज़नेस मैनेजमेन्ट सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने वाली जानी-मानी टेक्नोलॉजी कंपनी टैली ने एपीआई-संचालित टैक्स फाइलिंग के साथ अपनी कनेक्टेड सर्विसेज़ को नया आयाम दिया है। देश-विदेश में मिड-मास सेगमेन्ट के बिज़नेस के संचालन को सुगम बनाने के प्रयास में यह लॉन्च किया गया है। 'कनेक्टेड जीएसटी' से युक्त नया वर्ज़न सभी ऑनलाईन जीएसटी ऑपरेशन्स के लिए कंसोलिडेट इंटरफेस की तरह काम करेगा, जिसके लिए जीएसटी पोर्टल पर जाने की ज़रूरत नहीं होगी। यह लॉन्च टैली के कनेक्टेड अनुभव को और भी मजबूत बनाएगा, जिसमें ई-इनवॉयसिंग, ई-वे बिल जनरेशन और व्हॉट्सऐप इंटीग्रेशन आदि शामिल हैं। इसके अलावा मिडल ईस्ट और बांग्लादेश में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए TallyPrime 5.0 में अडवान्स्ड मल्टी-लिंगुअल क्षमता को भी शामिल किया गया है। जो फ़ोनेटिक सपोर्ट के साथ अरबी और बंगाली भाषाओं का इंटरफेस भी प्रदान करेगा। नए वर्ज़न में कई फीचर्स शामिल हैं जैसे फास्ट डेटा अपलोड/ डाउनलोड के लिए जीएसटी पोर्टल का डायरेक्ट कनेक्ट*, जीएसटीआर1 रिटर्न फाइलिंग और न्यू रेकॉन फ्लेक्सिबिलिटी जिसमें टैली के अनूठे जीएसटीआर-1 रेकॉन और जीएसटीआर-3बी रेकॉन फीचर्स तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पर रिस्क की पहचान और लेजर बनाना शामिल हैं। ये सभी फीचर 'बुककीपिंग से लेकर रिटर्न फाइलिंग' तक हर ज़रूरी सहयोग देते हुए इंटीग्रेटेड अनुभव प्रदान करते हैं। इस नए लॉन्च और आने वाले समय में नए प्रोडक्ट्स की योजनाओं के साथ टैली ने अपने मौजूदा यूज़र्स की संख्या को अगले 3 सालों में 50 फीसदी तक बढ़ाने तथा 30-40 फीसदी दर से विकसित होने का लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि टैली के मौजूदा यूज़र्स की संख्या 2.5 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी है।

ऋषभ पंत के बाद अक्षर पटेल बनेगा दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान?

नईदिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 में मेगा ऑक्शन होने वाला है, जहां कई टीमें अपने लिए नए कप्तान की तलाश में भी होंगी. खबरें आ रही हैं कि आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत भी दिल्ली कैपिटल्स का साथ छोड़ सकते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि अब दिल्ली का अगला कप्तान कौन होगा? आपको बता दें, दिल्ली के पास एक ऐसा कैप्टेंसी विकल्प मौजूद है, जिसे वह आईपीएल 2025 में कप्तान बना सकते हैं. आइए आपको उस खिलाड़ी के बारे में बताते हैं... ऋषभ पंत ने आईपीएल 2024 में इंजरी से वापसी की और दिल्ली की कमान संभाली थी. मगर वह कुछ खास नहीं कर सके और डीसी ने 6वें नंबर पर रहते हुए टूर्नामेंट खत्म किया था. लेकिन, अपकमिंग मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली ने बड़ा बदलाव किया और रिकी पोंटिंग को हेड कोच के पद से हटा दिया. वहीं एक और बड़ी खबर सामने आ रही है कि कप्तान ऋषभ पंत भी आईपीएल 2025 से पहले ही टीम का साथ छोड़ सकते हैं. जी हां, सोशल मीडिया पर दावा किया है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ देंगे. हालांकि, अब तक इसे लेकर कोई ऑफिशियल अपडेट सामने नहीं आई है. ऋषभ पंत के दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी छोड़ने वाली अफवाह सही साबित होती है, तो सवाल उठता है कि दिल्ली का अगला कप्तान कौन होगा? इसका जवाब हैं ऑलराउंडर अक्षर पटेल. जी हां, अक्षर दिल्ली के अगले कप्तान हो सकते हैं. भले ही अक्षर को आईपीएल में अब तक कप्तानी का कुछ खास अनुभव नहीं है, लेकिन उन्होंने आईपीएल ही नहीं इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी काबिलियत को साबित किया है. वह एक बेहतरीन स्पिन ऑलराउंडर हैं, जो गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी मैच जिताने की ताकत रखता है. ऐसे में दिल्ली की टीम ऑक्शन से नए कप्तान को खरीदने के बजाए अपनी टीम में मौजूद अक्षर को कमान सौंप सकती है.

भारतीय हॉकी के वॉल पीआर श्रीजेश को पीएम मोदी से मिला स्पेशल लेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को एक स्पेशल लेटर लिखकर भारतीय हॉकी में उनके अभूतपूर्व योगदान की सराहना की। भारतीय हॉकी के वॉल कहे जाने वाले पीआर श्रीजेश ने सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें उनकी रिटायरमेंट पर एक खास पत्र दिया। उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मुझे पीएम सर से अपने रिटायरमेंट पर यह खास लेटर मिला। हॉकी मेरी जिंदगी है और मैं इस खेल की सेवा करना जारी रखूंगा। भारत को हॉकी में एक ताकत बनाने की दिशा में काम करूंगा,

जिसकी शुरुआत 2020 और 2024 के ओलंपिक पदकों के साथ हो चुकी है। मुझ पर विश्वास दिखाने के लिए पीएम सर का शुक्रिया। श्रीजेश ने श्रीलंका में 2006 के दक्षिण एशियाई खेलों के दौरान अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया था। उन्होंने 328 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। हाल ही में उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम के साथ लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतकर अपने शानदार करियर का अंत किया। पीएम मोदी के पत्र में लिखा है, सबसे पहले पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर एक और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई। एक खिलाड़ी के रूप में देश के लिए यह आपका आखिरी मैच था, आपके लिए यह एक बहुत ही भावनात्मक क्षण रहा होगा। मुझे यकीन है कि मैच में जो अंतिम हूटर बजा, वह जीवन के अगले भाग की शुरुआत का शंखनाद था, जिसमें आप जूनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच होंगे। मुझे यकीन है कि नई भूमिका में आपका काम उतना ही प्रभावशाली और प्रेरणादायक होगा।

एमेज़ॉन इंडिया ने त्योहारों से पहले 1.1 लाख से ज्यादा मौसमी नौकरियाँ पेश कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमेज़ॉन इंडिया ने घोषणा की कि इसके ऑपरेशंस नेटवर्क में 110,000 से ज्यादा नौकरियाँ दी गई हैं। ये नौकरियाँ आगामी त्योहारों के दौरान ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करेंगी। इनमें भारत में मुंबई, दिल्ली, पुणे, बैंगलोर, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, चेन्नई आदि शहरों में दिए जा रहे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर शामिल हैं। एमेज़ॉन इंडिया द्वारा अपने मौजूदा नेटवर्क में हजारों महिला एसोसिएट्स और लगभग 1900 पीडब्लूडी एसोसिएट्स (दिव्यांगों) की भर्ती की जा चुकी है। एमेज़ॉन इंडिया द्वारा नए पदों में से ज्यादातर पर भर्ती की जा चुकी है। इस विषय में डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री ने कहा, ''भारत में 1.1 लाख से ज्यादा मौसमी रोजगार के अवसर देने की एमेज़ॉन की घोषणा एक सराहनीय कदम है। इससे त्योहारों पर देश में कार्यबल मजबूत हो सकेगा। यह देखकर उत्साह बढ़ता है कि कंपनी इन पदों पर बड़ी संख्या में महिलाओं और दिव्यांगों की भर्ती कर रही है तथा सुरक्षा, हैल्थकेयर एवं एजुकेशनल सपोर्ट द्वारा अपने एसोसिएट्स के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है। हम एमेज़ॉन और अन्य कॉर्पोरेट्स के इन प्रयासों की सराहना करते हैं, जो कर्मचारियों को कल्याण के साथ समावेशी रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं।'' श्री अभिनव सिंह, वीपी-ऑपरेशंस, एमेज़ॉन इंडिया ने कहा, ''इन त्योहारों पर हम भारत में सभी पिनकोड्स पर ग्राहकों को तीव्र और भरोसेमंद डिलीवरी पहुँचाना चाहते हैं। अपना यह उद्देश्य पूरा करने के लिए हमने 1.1 लाख से ज्यादा लोगों की भर्ती की है। ताकि हमारा फुलफिलमेंट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत बने और हम बढ़ी हुई मांग को सुगमता से पूरा कर सकें। इनमें से अनेक एसोसिएट एमेज़ॉन के साथ त्योहारों के बाद भी काम करते हैं और कई हर साल एमेज़ॉन के साथ काम करने के लिए वापस आ जाते हैं। हम अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहते हैं फिर चाहे वो हमारे ऑफिस में बैठकर काम कर रहे हों या फिर ग्राहकों को डिलीवरी पहुँचा रहे हों। देश में हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर रोजगार के अवसर निर्मित करने का स्रोत है और हम सभी को सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय लाभ के साथ सुरक्षित, समानतापूर्ण और सशक्त बनाने वाला वातावरण प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

ईवी से मिलेगी भारत की ऑटो इंडस्ट्री को रफ्तार, 2047 तक 134 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है आकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक भारत की घरेलू ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री वित्त वर्ष 24 में 20 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर (134 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकती है। ऑटो इंडस्ट्री के तेजी से बढ़ने की वजह इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चलन में इजाफा बताया जा रहा है। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस में इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने कहा कि देश में ऑटोमोटिव इंडस्ट्री तेज वृद्धि के लिए तैयार है और 2047 तक 32 ट्रिलियन के जीडीपी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। नई दिल्ली में हुए ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) इवेंट में

गोयनका ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में ऑटोमोटिव इंडस्ट्री का योगदान 2047 तक 1.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। आने वाले समय में ऑटो इंडस्ट्री की जीडीपी में हिस्सेदारी मौजूदा 6.8 प्रतिशत से अधिक होगी, क्योंकि पिछले दो दशक से ऑटो इंडस्ट्री करीब 17 प्रतिशत के सीएजीआर से लगातार बढ़ रही है। देश में ऑटो सेक्टर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार में बड़ी भूमिका निभाता है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि आयात पर निर्भरता घटाने के लिए भारत की ऑटो इंडस्ट्री द्वारा 50 ऐसे महत्वपूर्ण कंपोनेंट की पहचान की गई है, जिनका उत्पादन भारत में किया जाएगा। अग्रवाल ने आगे कहा कि भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री ने 20 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को वित्त वर्ष 24 में पार किया है और देश के कुल जीएसटी का 14 से 15 प्रतिशत हिस्सा ऑटो इंडस्ट्री से आ रहा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पैसेंजर और कमर्शियल वाहन बाजार बन गया है। वहीं, दोपहिया और तिपहिया श्रेणी में भारत दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो बाजार है। इस इवेंट में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि देश में आने वाले समय में ईवी का चलन तेजी से बढ़ेगा। अगले दो वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत पेट्रोल और डीजल वाहनों के बराबर ही पहुंच जाएगी।

इंग्लैंड के खिलाफ मार्श की गेंदबाजी पर सस्पेंस!

लंदन(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज में उनके गेंदबाजी करने की संभावना कम है। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलने के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद मार्श ने गेंदबाजी नहीं की है। उन्होंने इस साल जून में हुए टी20 विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए भी गेंदबाजी नहीं की थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम में कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी और मार्कस स्टॉयनिस जैसे तेज गेंदबाजों के विकल्प मौजूद हैं। साथ ही ट्रेविस हेड और कूपर कोनोली भी स्पिन गेंदबाजी के कुछ ओवरों में योगदान दे सकते हैं, इसलिए अगर मार्श इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी नहीं करते हैं तो टीम के लिए यह परेशानी का सबब नहीं है। आईसीसी ने साउथम्प्टन में पत्रकारों से बातचीत में मार्श के हवाले से कहा, मैं बस कुछ नया करने की कोशिश कर रहा हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं खुद ज्यादा गेंदबाजी नहीं करता हूं। हमारी टीम में गेंदबाजी के लिए बहुत सारे विकल्प हैं, इसलिए देखते हैं कि हम क्या करते हैं। मैं गेंदबाजी अभ्यास लगातार कर रहा हूं। मैं गेंदबाजी करूं या नहीं, हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। हमारे पास ढेरों विकल्प हैं। मैं हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करता रहता हूं। ऑस्ट्रेलिया बुधवार शाम को साउथम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पहला मैच खेलेगा और वे एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराने के बाद यहां पहुंचेंगे। मार्श को लगता है कि अफगानिस्तान और भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया का इस साल के पुरुष टी20 विश्व कप 2024 से जल्दी बाहर होना बहुत पहले की बात लगती है, क्योंकि वे इस बात को भूलकर, अब टूर्नामेंट के 2026 संस्करण के लिए एक टीम बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

स्टारबक्स ने बिलासपुर में पहले स्टोर के साथ की पारी शुरू करने की घोषणा

बिलासपुर। स्टारबक्स ने बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में पहले स्टोर के भव्य शुभारंभ की घोषणा की है। यह स्टारबक्स द्वारा 2028 तक देशभर में 1,000 स्टोर्स खोलने की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। इस स्टोर में ग्राहकों के लिए स्थानीय डिजाइनों और सांस्कृतिक बारीकियों के साथ-साथ वर्ल्ड क्लास कॉफी एक्सपीरियेंस परोसा जाएगा। छत्तीसगढ़ के समृद्ध सांस्कृतिक संसाधनों से भरपूर लैंडस्केप से प्रेरित और स्टारबक्स के ग्लोबल कॉफी हेरिटेज से संपन्न इस स्टोर का थीम 'सेलीब्रेशन' चुना गया है। स्टोर की आकर्षक वुडन कैनोपी के नीचे कॉफी बार सजाया गया है जो अपने गर्मजोशी भरे माहौल में ग्राहकों को आमंत्रित करता है। स्टोर की दीवार पर प्रदर्शित म्युरल के जरिए न सिर्फ कॉफी का उत्पादन करने वाले क्षेत्रों को प्रदर्शित किया गया है बल्कि यह बिलासपुर केलोकप्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य की भी याद दिलाने वाला है। कुल-मिलाकर, यह स्टोर के स्पेस को नई ऊर्जा से भरने वाला अहसास पैदा करता है।

स्टोर में आने वाले ग्राहकों के लिए चुनींदा आर्टवर्क जैसे फ्लावर बड्स बाय 17215, कोस्टा रिका 11 (जोशुआ त्रुखियो), और कोना कॉफी फार्म 5 (मेगुमी कीअन) को प्रदर्शित किया गया है। ये कलाकृतियां स्टोर को क्रिएटिव लुक प्रदान करती हैं। इनके बीच है आकर्षक म्युरल जिसमें कॉफी प्रांतों की जैव-विविधता को प्रदर्शित किया गया है, और साथ ही, यह शहर के वन्यजीव अभयारण्य को भी दिखाने का प्रयास करता है। स्टारबक्स के मैन्यू में वनीला लाते, कैरामल मकियातो, कॉर्तेदो, और जावा चिप फ्रैप्पुचिनो जैसे कई पसंदीदा आइटम्स शामिल हैं, और साथ ही, हैं वनीला स्वीट क्रीम कोल्ड ब्रू, जिंजर एल कोल्ड ब्रू, स्ट्राबेरी अकाइ लेनोनेड रिफ्रेशर, तथा मैंगो ड्रैगनफ्रूट लेमोनेड रिफ्रेशर ङ्क हरेक आइटम को दुनियाभर से एकत्र की गई टॉप 3त्नअरेबिका बीन्स से तैयार किया गया है। इस घोषणा के बारे में, अदृत मिश्रा, मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ), टाटा स्टारबक्स प्रा.लिमि. ने कहा, ॠबिलासपुर में खुले हमारे पहले स्टारबक्स स्टोर में हमारे मास्टर ब्लैंडर्स सिग्नेचर स्टारबक्स अनुभव को हमारे ग्राहकों के लिए अलग-अलग प्रकार के कॉफी ब्लैंड्स के जरिए परोसेंगे। वे दुनियाभर के अलग-अलग फार्मों और प्रांतों से चुनी गईं बीन्स लेकर हाजिर हैं जिन्हें ग्राहक अपनी पसंद के मुताबिक चुनेंगे और पाएंगे हमारा खास थर्ड प्लेस एक्सपीरियेंस। बिलासपुर, छत्तीसगढ़ स्टोर सप्ताह के सातों दिन सवेरे 8 बजे से रात 11 बजे तक खुला रहेगा।

कार्यालय कलेक्टर जिला दक्षिण बस्तर, दन्तेवाड़ा (जिला निर्माण समिति)

मैनुअल पद्धति प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा विज्ञप्ति क्र. 09 / जि.नि.स./ लो.नि.वि./24-25 दन्तेवाड़ा, दिनाँक 10/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
1	स्वीमिंग पुल निर्माण कार्य जावंगा (भाग - 01 से 07)	264.88
2	जोगिंग ट्रेक एवं बाऊण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य।	47.13
3	सामुदयिक भवन गीदम जावंगा में पार्क एवं टयूबलेव निर्माण कार्य।	49.51
	कुल 03 कार्य	361.52

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 07-10-2024 है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर / नोडल अधिकारी
(जिला निर्माण समिति)
जिला दक्षिण बस्तर, दन्तेवाड़ा

G-242502398/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 13 सितंबर 2024

छत्तीसगढ़ में अब तक 1065.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (विसं)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1065.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 12 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2277.8 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 542.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व की गरिमा के अनुरूप कार्यक्रमों का हो सफल आयोजन : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने बस्तर दशहरा पर्व के आयोजन के सम्बंध में की समीक्षा ● 15 अक्टूबर को मुरिया दरबार का होगा आयोजन ● द बस्तर मड़ई में बिखरेगी बस्तर की बहुरंगी कला-संस्कृति की छटा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार शाम यहां अपने निवास कार्यालय 75 दिन तक मनाये जाने वाले देश के ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के सफल आयोजन के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने इस दौरान बस्तर दशहरा पर्व की गरिमा के अनुरूप सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सर्व संबंधितों को सौंपे गए दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 75 दिन तक चलने वाला बस्तर दशहरा पर्व हरेली अमावस्या के दिन पाट जात्रा पूजा विधान के साथ 4 अगस्त 2024 से शुरू हो गया है, जो कि 19 अक्टूबर 2024 तक मनाया जाएगा। यह दशहरा पर्व विभिन्न जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक भावना का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय को इस दौरान बस्तर दशहरा उत्सव समिति द्वारा इसमें तिथिवार विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिसमें बताया गया कि ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के दौरान 15 अक्टूबर 2024 को मुड़िया दरबार का आयोजन होगा। इसी तरह बस्तर दशहरा को भव्य रूप देने के लिए बस्तर मड़ई, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स मीट, एक पेड़ बस्तर के देवी-देवताओं के नाम, बस्तर टूरिस्ट सर्किट, दसरा पसरा, नगरगुड़ी टेंट सिटी, टूरिज्म ट्रेवलर्स आपरेटर मीट, देव सराय, स्वच्छता पखवाड़ा जैसे विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। बस्तर दशहरा पर्व में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष यात्री बसों के संचालन के सम्बंध में भी चर्चा की गई। 4 अगस्त को पाट जात्रा पूजा विधान से शुरू हुए ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व 2024 के अंतर्गत 2 अक्टूबर को काछनगादी पूजा विधान, रेलामाता पूजा विधान। 5 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा विधान, रथ परिक्रमा पूजा विधान। 12 अक्टूबर को मावली परघाव विधान, 15 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान और मुरिया दरबार, 16 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान, 19 अक्टूबर को मावली माता जी की डोली की विदाई पूजा विधान आयोजित है।

विद्युत कंपनियों में आईआर की जगह अब लागू होंगे आईडी एक्ट

पावर कंपनी ने जारी किया परिपत्र, राजपत्र की प्रकाशन तिथि से होगा लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की तीनों विद्युत कंपनियों में अब छत्तीसगढ़ औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (आईडी एक्ट) प्रभावशील होगा। इसके पूर्व कंपनी में छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम 1960 (आईआर एक्ट) लागू था। राज्य शासन की अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद इसे विद्युत कंपनियों ने लागू कर दिया है। उक्त संबंध में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) ने परिपत्र जारी किया है। 11 सितंबर को जारी परिपत्र में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग व्दारा जारी अधिसूचना छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम 1960 के उपबंध में वर्णित उद्योगों की अनुसूची में विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण उद्योग आते हैं, इस अधिनियम के स्थान पर अब 22 मार्च 2024 से औद्योगिक विवादों का निपटारा औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 में दिये गए प्रावधानों के अनुरूप होंगे।

चूड़ी वाला परिवार के जिंदा दिल मुखिया महेंद्र जी जैन का आकस्मिक देहावसान

जबलपुर में धर्म आराधना के दौरान बिगड़ी तबीयत, छत्तीसगढ़ जैन समाज में शोक की लहर, अंत्येष्टि आज 11:30 बजे

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की जैन समाज के लिए आज का दिन बेहद दु:ख का समाचार लेकर आया जबकि अग्रणी समाज सेवी, दानवीर चूड़ी वाला परिवार के प्रमुख श्री महेंद्र जैन जी का 79 वर्ष की आयु में धार्मिक यात्रा के दौरान जबलपुर में आकस्मिक देहावसान हो गया।

उनके देहवासन का समाचार सुनते ही पूरे छत्तीसगढ़ की सकल जैन समाज के साथ-साथ व्यापारी वर्ग एवं समाजसेवी जनों में शोक की लहर दौड़ गई। श्री महेंद्र जैन जी अपने आप में एक ऐसी शख्सियत थे जो धर्म, समाज एवं जरूरतमंदों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। मैंने उन्हें कभी भी उदास चित्त नहीं देखा। इस उम्र में भी मुस्कान उनके चेहरे पर हमेशा फैली रहती थी। जिस भी जगह उनसे मुलाकात होती थी नई ऊर्जा का संचार वे सभी में कर देते थे।

चूडी वाला परिवार जैन समाज का एक ऐसा प्रतिष्ठित परिवार रहा है जिसने सदैव देव, शास्त्र, गुरु की सेवा में अपने को समर्पित रखा है।

उनके भाई श्री सनत जैन जी श्री अनिल जैन जी, सुपुत्र मनोज मनीष जैन, सभी बहुएं एवं नाती जन उन्हीं के पद चिन्ह पर चलकर धर्म एवं समाज सेवा मे संलग्न रहते हैं।

श्री महेंद्र जैन जी द्वारा जबलपुर मडिया की में का गुरुकुल निर्माण के साथ तपोभूमि क्षेत्र, पुष्प गिरी क्षेत्र आदि स्धानोंपर अपने तरफ निर्माणकार्य कराए जो कि आज समाज के लिए एक उपलब्धि बनी हुई है।

देश के विभिन्न तीर्थ क्षेत्र में जाकर उन्होने दान देकर अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग किया। कोई भी आयोजन के लिए कोई उनके पास पहुंचा वे उसे दान देते थे एवं उत्साह वर्धन भी करते थे।

कुछ दिन पूर्व ही वह दस लक्षण पर्व के ठीक पहले जबलपुर रवाना हुए थे और उनका मन वहां गुरुकुल मे रहकर दसलक्षण पर्व मनाने का था। लेकिन विधि को कुछ और ही मंजूर था। तीन-चार दिन से उनके अस्वस्थ रहने की सूचनाओं लगातार आ रही थी समाज में मंदिर में सभी जगह शांति धारा में उनके स्वास्थ्य लाभ की कामनाएं की जा रही थी लेकिन आज अचानक दोपहर 2:40 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली और विदा हो गए।

दैनिक विश्व परिवार 'परिवार' इस महान समाजसेवी आत्मा के चले जाने पर उनके चरणों में हार्दिक विनयांजलि अर्पित करता है एवं परिवार को इस महा शोक को सहने की शक्ति प्रदान हो ऐसा ईश्वर से प्रार्थना करता है।

उनके लिए अंतिम विदाई में यह शेर एकदम सही लग रहा है कि-

तुम्हें मरहूम कहता कौन ?
तुम तो जिन्दों में जिंदा हो।
तुम्हारी नेकियां जिंदा,
तुम्हारी खूबियां जिंदा।।

-प्रियेश जैन (संपादक)
दैनिक विश्व परिवार, रायपुर

भारत का पहला डबल बैटरी लिथियम

L5 इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर अतुल मोबिली एवं अतुल एनर्जी, के.व्ही. मोटर्स रायपुर में हुआ लॉन्च

अतुल इलेक्ट्रिक याने लाभ की सवारी, कम रखरखाव, अधिक माइलेज

रायपुर (विश्व परिवार)। बढ़ते पॉल्यूशन के बीच अब ई थ्री व्हीलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है वहीं सस्ती और किफायती के साथ-साथ यह इको फ्रेंडली होती है.. आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पिथालिया प्लाजा, के.के. रोड स्थित के.व्ही. मोटर्स शोरूम 11 सितंबर को भारत का पहला 'डबल बैटरी लिथियम' एल5 इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर का डीलरशिप अधिकृत किया गया, जिसमे कम्पनी ने दो मॉडल लॉन्च किए है जो की अतुल मोबिली और अतुल एनर्जी के नाम से है इसकी खासियत के संदर्भ में कंपनी के मुख्य अतिथि श्री अमित वर्मा (रीजनल मैनेजर, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) ने जानकारी देते हुए बताया कि इसकी सबसे खास बात यह है कि ये दोनो मॉडल सिंगल चार्ज में 200+ का माइलेज देते है इसके अलावा भारत में पहली बार डबल बैटरी लिथियम तकनीक पर आधारित एल5 इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर का डीलरशिप इनॉग्रेशन आज अतुल ऑटो लिमिटेड के कंपनी द्वारा लॉन्च किया जा रहा है, जो रायपुर में हुआ।

इस अद्वितीय डीलरशिप के जरिए, ग्राहकों को नवीनतम इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उत्कृष्ट सेवाएं और विक्रय उपलब्ध कराई जाएंगी। यह लॉन्च इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में नए दरवाजे खोल सकता है। के.व्ही. मोटर्स के संचालक श्री हितेश पिथालिया ने बताया कि हम विगत 4 वर्षों से थ्री व्हीलर पर बेहतर सर्विस कस्टमर को दे रहे हैं हमारी बड़ी टीम के माध्यम से हम लोगों को रोजगार के साथ ही पूरी सुविधा मुहैया कराते हैं उन्होंने बताया कि हमारे ऐसे भी कस्टमर है जिन्होंने इसे मुख्य रोजगार के तहत अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियर तक बनाया है हम फाइनेंशियल सुविधाओं के साथ कस्टमर को आसानी से थ्री व्हीलर उपलब्ध कराते हैं। आज के लॉन्च समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कंपनी के मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के रीजनल मैनेजर श्री अमित वर्मा तथा विशेष अतिथि के रूप में कंपनी के स्टेट हेड श्री मनीष उपस्थिति थे।

रायपुर विश्व सैप्सिस दिवस के अवसर पर विशेष

"सैप्सिस"- खामोशी से मारने वाला एक रोग

सैप्सिस जिसे अक्सर 'खून में जहर' के रूप में जाना जाता है, एक संभावित घातक जटिल रोग है जो बैक्टीरिया, फंगल, वायरल और परजीवी संक्रमणों से हो सकती है। यह संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया का एक खतरनाक दुष्प्रभाव है जो अंग क्षति या यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकता है। इसकी गंभीरता के बावजूद, इसके बारे में जागरूकता बहुत कम है, जिसके परिणामस्वरूप विलंबित निदान और उच्च मृत्यु दर होती है। हमें इस ख़ामोशी से मारने वाले रोग के बारे में जन जागरूकता बढ़ानी चाहिए क्योंकि जानकारी ही हमारा सबसे अच्छा बचाव है।

एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या- 2020 के एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, सैप्सिस से 5 करोड़ लोग प्रभावित हुए, जिनमें से 40त्न 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं, और यह बोझ ज्यादातर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में देखा जाता है। सैप्सिस दुनिया के कई क्षेत्रों में मौत का एक प्रमुख कारण है। सैप्सिस एक ऐसी बीमारी है जो एक संक्रमण से होती है जो कई अंगों में फैलती है। सैप्सिस का निदान अस्पताल के छह में से एक रोगी में किया जाता है, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे 2017 में एक वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में नामित किया। हर साल 13 सितंबर को विश्व सैप्सिस दिवस इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

घातक वृद्धि- सैप्सिस से सेप्टिक शॉक तक सैप्सिस सेप्टिक शॉक में विकसित हो सकता है, एक असुरक्षित स्थिति जब रक्तचाप खतरनाक रूप से कम स्तर तक गिर जाता है और अक्सर आक्रामक गहन देखभाल उपचार (ICU) के बिना मृत्यु का परिणाम होता है, यदि इसे शीघ्र नियंत्रित नहीं किया जाता है। सैप्सिस जीवित रहने की कुंजी जल्दी से और उचित समय पर चिकित्सकीय ध्यान प्राप्त करने और एंटीमाइक्रोबियल दवाएं (आमतौर पर एंटीबायोटिक्स के रूप में जानी जाती हैं) प्राप्त करने पर निर्भर करती है। अध्ययनों के अनुसार, हर घंटे एंटीबायोटिक थेरेपी में देरी होने से मृत्यु दर में चौंकाने वाली 6त्न की वृद्धि होती है। चिकित्सा देखभाल में देरी से भी गंभीर सैप्सिस हो सकता है, जिसकी मृत्यु दर अधिक होती है और चिकित्सा लागत अधिक होती है।

किसे सैप्सिस का खतरा है?- सैप्सिस एक रोगी में विकसित हो सकता है जिसमें संक्रमण, गंभीर चोट या गंभीर गैर-संचारी स्थिति हो; हालांकि, कमजोर आबादी अधिक संवेदनशील होती है, जैसे- वृद्ध व्यक्ति, नवजात या नवजात शिशु, अस्पताल में भर्ती रोगी, गर्भवती महिलाएं, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले रोगी (प्रतिरोपण रोगी), गुर्दा, हृदय और फेफड़ों की बीमारी जैसी पुरानी चिकित्सीय स्थितियों की उपस्थिति, गहन देखभाल इकाई (ICU) में भर्ती रोगी।

निवारण : सबसे अच्छा बचाव- जब सैप्सिस की बात आती है, तो कहावत निवारण उपचार से बेहतर है विशेष रूप से सच है। सैप्सिस से निपटने का सबसे अच्छा तरीका संक्रमण को शुरू होने से पहले रोकना है। सरल सावधानियां जोखिम को कम करने में बहुत अंतर ला सकती हैं, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना, संक्रमित लोगों के साथ घनिष्ठ संपर्क से बचना, घावों की ठीक से देखभाल करना और साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना।

अंत में, सैप्सिस एक शक्तिशाली दुश्मन है लेकिन इसे हराया जा सकता है। रोकथाम का रहस्य, समय पर और उचित उपचार है। सैप्सिस के खिलाफ लड़ाई में, त्वरित चिकित्सा देखभाल, त्वरित एंटीबायोटिक प्रशासन और त्वरित उपचार आवश्यक हैं। सैप्सिस को जागरूकता बढ़ाकर रोका जा सकता है, जिससे हम लोगों की जान बचाने में मदद करेंगे।

लेखक- डॉ. प्रदीप शर्मा
वरिष्ठ सलाहकार
एनएच एमएमआई हॉस्पिटल

देवभोग बना नगर पंचायत, राज्य शासन ने जारी की अधिसूचना

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा गरियाबंद जिले के देवभोग को नगर पंचायत गठित करने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस संबंध में अधिसूचना का प्रकाशन कर दिया गया है। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार देवभोग नगर पंचायत में ग्राम पंचायत देवभोग, ग्राम झाराबहाल और ग्राम सोनामुंदी को शामिल किया गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार इन तीनों गांवों की समन्वित जनसंख्या 5287 है।

ग्राम पंचायत देवभोग, ग्राम पंचायत डोहेल के आश्रित ग्राम झाराबहाल एवं ग्राम पंचायत मुंगझर के आश्रित ग्राम सोनामुंदी की सीमाएं ही नगर पंचायत देवभोग की सीमाएं होंगी। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से देवभोग को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग की जा रही थी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने जन आकांक्षाओं को देखते हुए विभाग को इस संबंध में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए थे।

मन के मार्जन का पर्व है उत्तम शौच : पं. नितिन जैन

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्वाधिराज दषलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर पांचवे दिन उत्तम सत्य धर्म की आराधना की गई। श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल मंदिर जी, सन्मति नगर, फाफाडीह, रायपुर में प्रात:काल भक्तों ने मंदिर जी इन्द्रों की वेषभूशा में अभिशेक षांतिधारा से लेकर पर्व पूजाएं कर धर्मलाभ लिया। आज उत्तम सत्य धर्म के दिन श्री महावीर स्वामी के समक्ष मूल वेदी में षांतिधारा का सौभाग्य श्री कमल कुमार जी निखिल अखिल चैतन्य काला परिवार को प्राप्त हुआ।

समिति के अध्यक्ष अरविंद बड़जात्या ने बताया कि पंचम दिवस प्रथम तल में भगवान पार्ष्वनाथ की वेदी पर षांतिधारा का सौभाग्य श्री धर्मचंद जी मनी-नवजया कुमार आलोक बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। भगवान मुनिसुव्रतनाथ की वेदी पर षांतिधारा श्री पारसमल जी अनिल बाकलीवाल द्वारा की गई।

संध्या समय श्रीमती उशा लोहाड़िया एवं श्रीमती वर्शा सेठी के निर्देषन में श्रावक प्रतिक्रमण कराया जा रहा है। साथ ही श्रावकों को णमोकार मंत्र के माध्यम से अपना सुरक्षा कवच बनाना भी सिखाया गया। पूर्व संध्या पर आयोजित षास्त्र सभा में स्थानीय विद्वान पं. नितिन जैन 'निमित्त' ने बताया कि किसी भी वस्तु का महत्व उसकी सुंदरताए भव्यता या विशालता से नहीं होता। किसी भी वस्तु की महत्ता का आधार उसकी पवित्रता है। इसलिए मंदिर का महत्व है क्योंकि वह पवित्र है। मंदिर में जाने वाला प्रत्येक भक्त इसलिए प्रसन्न होता है क्योंकि पवित्रता प्रसन्नता की जननी है। ज्ञानियों ने मानव मन को मंदिर की उपमा दी है। जीवन की पवित्रता किन दशाओं में खंडित होती है इसे जानना जरूरी है। पवित्र उसे कहते हैं जिसको छूने से छूने वाला भी पवित्र हो जाए। हम स्वच्छताप्रिय लोग हैं इसलिए हमारी शैली घर को साफ रखने के साथ.साथ आँगन को भी साफ रखने की है। क्योंकि आँगन यदि साफ नहीं होगा तो घर अधिक लम्बे समय तक साफ नहीं रह सकता। वैसे ही घर का रसोईघर भी साफ होना जरूरी है। वरना घर और आँगन को गंदा होने में समय नहीं लगेगा। अत: घर की सफाई के साथ.साथ रसोईघरए ड्राइंग रूम और आँगन की सफाई भी जरूरी है। वैसे ही हमारे जीवन का आँगन है व्यवहारए ड्राइंग रूम है हमारी वाणी और रसोईघर है हमारा अत:करण। इन तीनों की पवित्रता ही जीवन मंदिर की पवित्रता है। मनए वचनए काय की पवित्रता अधिकाधिक समय के लिए टिकी रही तब उत्तम पवित्रता घटित होती है। उत्तम पवित्रता निश्चित ही व्यक्ति को प्रसन्नता देती है और उत्तम पवित्रता का नाम ही उत्तम शौच है। शौच का विपरीत लोभ है। लोभ पाप का बाप कहलाता है। लोभ मनुश्य का सत्यानाष कर देता है। लोभ के वषीभूत होकर मनुश्य अपने सगे सम्बंधियों से भी दगा कर जाता है। लोभ के वष में आकर कौरवों ने राज्य तो गंवाया ही साथ ही समूल नश्ट हो गए। लोभ के कारण ही भरत चक्रवर्ती ने अपने भ्राता बाहुबली पर चक्र चला दिया था। तन की भूख तनिक है, एक पाव या सेर, मन की भूख अपार है, चाहे मिले सुमेर।। वर्तमान काल में प्राणी लोभ के वष में होकर के सारे कार्य कर रहा है। दिन मिलने वाले लाभ के इंतजार में अपने पिछले 30 दिन गंवा बैठता है। सब का लालच छोड़कर ही परमपद को पाया जा सकता है यानि षून्य में विलीन हुआ जा सकता है। अनादि यानि षून्य में विलीन होने की कला भारतीय संस्कृति में ही है। **-अरविंद बड़जात्या**

राज्यपाल रमेन डेका से रेल मंडल प्रबंधक ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में रायपुर रेल मंडल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को वंदे भारत ट्रेन की प्रतिकृति भेंट की।

उरला इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन परिसर में रिम्स अस्पताल की नई इकाई का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। उरला इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन एवं रिम्स अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में द्वारा गत दिवस दिनाँक 11 सितंबर 2024 को दोपहर 12 बजे रिम्स हॉस्पिटल की नई इकाई का रायपुर ग्रामीण के विधायक महोदय मोती लाल साहू की मुख्य आतिथ्य एवं द्ब के अध्यक्ष अश्विन गर्ग जी के विशेष आतिथ्य में उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन परिसर में शुभारंभ किया गया। ज्ञात हो की इस कार्यक्रम में उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य एवं सम्मानीय सदस्यों ने अपनी उपस्तिथि दर्ज की। इस कैंपस स्थित उक्त हॉस्पिटल में हर तरह की चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। दो द्बद्बद्बह्य डॉक्टर साथ मे एक गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर, एक्सरे, सोनोग्राफी मशीन, ऑपरेशन थिएटर इत्यादी की सुविधाएँ उपलब्ध है। इसके साथ ही UIA के सदस्य इकाइयों के लिए ओपीडी एवं 6 बेड की सुविधा जो कि आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है पूर्णत: नि:शुल्क रहेगी साथ ही हर तरह के मेडिकल टेस्ट में 35त्न की छूट दी जाएगी। यह सभी सुविधाएं ईएसआईसी एवं आयुष्मान कार्ड के साथ 24म7 उपलब्ध रहेगी। मरीज़ों के लिए एम्बुलेंस आधुनिक उपकरणों के हमेशा साथ रहेगी। गंभीर चिकित्सकीय समस्या होने पर मरीज़ को गोढ़ी रायपुर स्थित रिम्स अस्पताल के मुख्य इकाई में ले जा सकेंगे।

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354